" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

प्रेरणा भारती NEWS NETWORK

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 145 वर्ष -11 अधिक ज्येष्ठ कृ.द्वितीया 2082 मंगलवार (2 जून 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

NIA जांच में बड़ा खुलासा: बिना सिम और इंटरनेट के इस्तेमाल हुए आतंकियों के फोन, रेडियो तकनीक से रची गई पहलगाम हमले की साजिश

नई दिल्ली (एजें) १ जून : पहलगाम आतंकी हमले की जांच में सुरक्षा एजेंसियों को ऐसे सुराग मिले हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि हमले की तैयारी काफी पहले से की जा रही थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस की पडताल में आतंकियों के पास मिले मोबाइल फोन जांच का अहम आधार बनकर उभरे हैं।पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले में २६ लोगों की जान गई थी। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव के दौरान तीन आतंकियों को मार गिराया था। मुठभेड. के बाद उनके कब्जे से बरामद मोबाइल फोन अब पूरे नेटवर्क की कडयिां जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जांच में सामने आया कि आतंकियों के पास मौजूद दो स्मार्टफोन पाकिस्तान में अलग-अलग समय पर पहुंची खेप का हिस्सा थे। इनमें से एक मोबाइल वर्ष २०२१ में और दूसरा २०२३ में पाकिस्तान पहुंचा था। दोनों उपकरण लंबे समय तक निष्क्रिय रहे और हमले से ठीक पहले सक्रिय किए गए।जांच एजेंसियों ने मोबाइल उपकरणों के पहचान नंबर के आधार पर उनकी सप्लाई चेन और वितरण से जुडी जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि फोन कानूनी आयात प्रक्रिया के तहत पाकिस्तान पहुंचे थे, लेकिन उनके बाद के उपयोग को लेकर कई

सवाल खडे.हो गए हैं।सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि एक फोन वर्षों तक किसी नेटवर्क से नहीं जुडा। उसमें न कोई सिम इस्तेमाल हुई और न ही किसी प्रकार की कॉल या डेटा गतिविधि दर्ज हुई। इसके बावजूद वह बाद में आतंकियों के पास मिला। दूसरे फोन के मामले में भी लगभग इसी तरह का पैटर्न सामने आया है।जांच अधिकारियों का मानना है कि दोनों मोबाइलों का वर्षों तक निष्क्रिय रहना और फिर एक ही आतंकी मॉड्यूल तक पहुंचना महज संयोग नहीं हो सकता। इसी वजह से अब उन लोगों और नेटवर्क की तलाश की जा रही है, जिन्होंने आतंकियों तक तकनीकी संसाधन और अन्य मदद पहुंचाई।एजेंसियों को फोन से कोई कॉल रिकॉर्ड, संदेश या इंटरनेट गतिविधि नहीं मिली है। सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क की बजाय लंबी दूरी तक काम करने वाली रेडियो संचार तकनीक का इस्तेमाल किया हो सकता है, जिससे

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

जोरहाट के चार स्टूडेंट ३० मई से लापता; पुलिस ने सर्च ऑपरेशन तेज किया

जोरहाट:(अर्णव शर्मा) १ जून : असम के जोरहाट जलि़े में चार स्टूडेंट के रहस्यमयी तरीके से गायब होने के बाद चिंता और बेचैनी फैल गई है। ये स्टूडेंट ३० मई की सुबह से स्कूल के लिए घर से निकले थे और रहस्यमय तरीके से गायब हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लापता स्टूडेंट्रदो लडक़े और दो लडकियां्सुबह करीब ८:३० बजे स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर अपने-अपने घरों से निकले और अपने एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन की ओर चल पडे। हालांकि, जब वे शाम तक घर नहीं लौटे, तो उनके परिवारों ने जोरहाट में खड्ढ पुलिस आउटपोस्ट पर अलग-अलग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।दो दिन से ज़्यादा समय तक लगातार सर्च की कोशिशों के बावजूद, स्टूडेंट का पता नहीं चला है। पुलिस की जांच शुरू में

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

वकीलपट्टी में नशे के सेवन के दौरान तीन युवक पकडे. गए, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सौंपा

प्रे.सं. शिलचर, १ जून: शिलचर शहर के व्यस्त और प्रमुख क्षेत्र उकिलपट्टी में सोमवार दोपहर नशे के खिलाफ स्थानीय लोगों की सतर्कता देखने को मिली। क्षेत्रवासियों ने कथित रूप से नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे तीन युवकों को रंगे हाथों पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय लोगों ने तीनों युवकों के पास से नशीले पदार्थ रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले डिब्बे तथा सिरिंज बरामद किए। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अपने कब्जे

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

लव जिहाद: नलबाड़ी में युवक की हत्या पर आक्रोश

नलबाडी (असम), ०१ जून (हि.स.)। नलबाडी जिले के गंगापुर में लव जिहाद का मामला सामने आया है। इस कडी में लव जिहाद के मास्टरमाइंड द्वारा किए गए हमले में एक युवक की हत्या और एक युवती के गंभीर रूप से घायल होने की घटना को लेकर असम छात्र संघ (आसू) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रिश्ते युवक-युवती भाई-बहन बताए गए हैं। संगठन ने मृतक माधुर्य बर्मन के हत्यारे को कठोरतम सजा देने तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उल्लेखनीय है कि आरोपित रोज अली पर युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाकर विवाह करने के लिए काफी समय से दबाव बनाने की कोशिश का आरोप पीडति पक्ष के परिजनों ने लगाया है। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने आज कहा कि उनके संगठन के साथी कार्यकर्ता माधुर्य बर्मन की

युवक की हत्या का मुख्य आरोपित पुलिस मुठभेड. में ढेर

नलबाडी (असम), ०१ जून (हि.स.)। असम के नलबाडी जिले के गंगापुर में हुए हमले के मुख्य आरोपित रोज अली उर्फ आसिफ खान की सोमवार को पुलिस मुठभेड. में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आरोपित ने हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों की बंदूक छीनकर उन पर गोलीबारी की थी।नलबाडी के पुलिस अधीक्षक विवेकानंद दास ने बताया कि रोज अली ने पुलिस की बंदूक छीनकर पुलिस दल पर चार से पांच राउंड गोलियां चलाई। आत्मरक्षा और जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें एक गोली उसके सीने में लगी। इससे उसकी मौत हो गई।गंगापुर में हुए हमले में युवक माधुर्य बर्मन की मौत हो गई थी, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई थी। दोनों स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपितों ने हमला किया था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि रोज अली लंबे समय से युवती को परेशान कर रहा था और विवाह का दबाव बना रहा था। साथ ही परिवार को लगातार धमकियां दे रहा था।इस घटना की अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने कडी निंदा करते हुए दोषी को कठोरतम सजा देने की मांग की थी। आसू अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा था कि हत्या के दोषियों को कानून के तहत कडी सजा मिलनी चाहिए। फिलहाल पुलिस घटना से जुडे.सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

निर्मम तरीके से हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले को किसी भी कीमत पर हल्के में नहीं लिया जाएगा और दोषी को कानून के तहत कडी. से कडी सजा मिलनी ही चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर आरोपित रोज अली के पास हत्या करने की इतनी हिम्मत कहां से मिली। साथ ही कहा कि चाहे वह कोई भी हो, उसे कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

इस घटना के विरोध में नलबाडी में सडक़ों पर आसू कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए गए। प्रदर्शनकारियों ने माधुर्य बर्मन के हत्यारे को फांसी देने की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई। आसू कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।वहीं, गंभीर रूप से घायल युवती तथा मृतक युवक की मां ने रोते हुए मीडिया के सामने

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

डिब्रुगढ़ में साइक्लोनिक तूफ़ान ने एक जवान की जान ले ली

डिब्रूगढ.(अर्णव शर्मा) १ जून :: पूवी असम के डिब्रूगढ. जलि़े के लाहोवाल में रविवार रात आए एक तेज.साइक्लोनिक तूफ़ान में एक २२ साल के लडक़े की जान चली गई। इस तूफ़ान से प्रॉपर्टी को बहुत नुकसान हुआ और इलाके में कई पेड. उखड.गए।मरने वाले की पहचान लाहोवाल के रहने वाले संजय तांती के तौर पर हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तूफ़ान के दौरान एक बडा पेड.उखडक़र उनके घर पर गिर गया, जिससे घर को बहुत नुकसान हुआ। परिवार के लोग और आस-पास के लोग तुरंत तांती को इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल ले गए। लेकिन, हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।तेज.हवाओं और भारी बारिश के साथ आए साइक्लोनिक तूफ़ान ने डिब्रूगढ.जलि़े के कई हिस्सों पर असर डाला, जिससे पेड.उखड. गए और आम जि़ंदगी में रुकावट आई। आस-पास के लोगों ने कुछ इलाकों में घरों, बिजली की लाइनों और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी. नुकसान होने की बात कही।घटना के बाद, लोकल अधिकारियों और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने नुकसान का अंदाजा लगाने के लिए प्रभावित इलाके का दौरा किया। अधिकारियों ने लोगों से सावधान रहने को कहा है क्योंकि असम के कई जिलों में मौसम की खराब हालत बनी हुई है।युवक की दुखद मौत से इलाके में मातम छा गया है।

कछार पुलिस की मादक पदार्थ विरोधी कार्रवाई में बडी सफलता, डेढ. करोड. रुपये से अधिक मूल्य की हेरोइन बरामद, नगांव के दो तस्कर गिरफ्तार

प्रे.सं. शिलचर, १ जून: कछार पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बडी सफलता हासिल करते हुए भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की है। इस कार्रवाई में नगांव जिले के दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार, कछार जिले के कालाइनछडा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-६ पर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में बनाए गए गुप्त चेंबर से २२ साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखी गई कुल २५८ ग्राम हेरोइन बरामद की गई। कछार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) रजत कुमार पाल ने बताया कि बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत डेढ.करोड.रुपये से अधिक आंकी जा रही है।उन्होंने बताया कि मामले में नगांव जिले के निवासी आसिकुर रहमान और मुक्तार हुसैन को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ कर मादक पदार्थ तस्करी से जुडे.नेटवर्क तथा इसके अन्य सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिले के प्रमुख मार्गों तथा सीमावती क्षेत्रों में निगरानी और सघन जांच अभियान को और तेज कर दिया गया है।गिरफ्तार दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। कछार पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अभियान भविष्य में भी इसी प्रकार जारी रहेगा।

कांग्रेस कार्यालय में जमकर मारपीट, नुरुल हुदा पर हमले की कोशिश

नगांव , ०१ जून (हि.स.)। असम के डबका स्थित कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को उस समय भारी हंगामा और मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विधायक नुरुल हुदा के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि जूते-चप्पलों के साथ उन पर हमला करने की कोशिश की गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने नुरुल हुदा के वाहन पर भी हमला किया।

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

युवा दर्पण के १३वें स्थापना दिवस पर गुवाहाटी में भव्य समारोह शिलचर के वरिष्ठ पत्रकारों सहित ५० विशिष्ट हस्तियों को मिला 'युवा दर्पण एक्सीलेंस अवॉड्र्स २०२६'

गुवाहाटी, १ जून। साप्ताहिक समाचार पत्र एवं डिजिटल मीडिया मंच 'युवा दर्पण' के १३वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार सायं गुवाहाटी स्थित लायंस आई हॉस्पिटल ऑडिटोरियम में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ५० विशिष्ट व्यक्तियों को 'युवा दर्पण एक्सीलेंस अवॉड्र्स २०२६' से सम्मानित किया गया।नेताजी छात्र युवा संस्था तथा रोटरी क्लब ऑफ ग्रेटर शिलचर के सहयोग से आयोजित इस समारोह में गुवाहाटी सेंट्रल के विधायक विजय कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।विशिष्ट अतिथियों में एनआरडीएफआई के सेवानिवृत्त डीजीएम एवं रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी के अध्यक्ष इंजीनियर मनोज कुमार दास, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ऑपरेशन) एपीएस कुलेंद्र नाथ डेका, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२४० के डिस्ट्रिक्ट अवार्ड एवं रिकग्निशन चेयरपर्सन रुद्रजीत कुमार लस्कर, जर्नलिस्ट एसोसिएशन फॉर असम (जाफा) के अध्यक्ष अभिदीप चौधुरी, दिसपुर प्रेस क्लब के सचिव कुंजा मोहन राय तथा युवा दर्पण के प्रधान संपादक सुबीर दत्ता शामिल थे।इस अवसर पर पूर्वोत्तर भारत के पांच राज्यों्असम, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड्के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कुल ५० प्रतिभाशाली एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों को 'युवा दर्पण एक्सीलेंस अवॉड्र्स २०२६' प्रदान कर सम्मानित किया गया।सम्मानित व्यक्तियों में शिलचर के वरिष्ठ पत्रकार चयन भट्टाचार्य, अभिजीत भट्टाचार्य,

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, जहरीले रसायन में डुबोकर रखी गई १५ बोरियां परवल जब्त

बरपेटा , ०१ जून (हि.स.) : जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बने एक मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बरपेटा रोड की थोक सब्जी मंडी में देर रात छापेमारी कर जहरीले रसायनों से उपचारित १५ बोरियां परवल जब्त की हैं। जानकारी के अनुसार, परवल को कथित रूप से विषैले रसायनों से मिश्रित पानी में डुबोकर रखा गया था। यह मामला तब सामने आया जब ऐसे परवलों का वीडियो और तस्वीरें सामने आई, जिनमें उन्हें रासायनिक मिश्रण वाले पानी में रखा हुआ देखा गया। इस खुलासे के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन में चिंता बढ.गई।खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान उन परवलों

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

गुवाहाटी में आईपीएल सट्टेबाजी गिरोह पर पुलिस की बडी कार्रवाई, आठ गिरफ्तार

गुवाहाटी, ०१ जून (हि.स.)। गुवाहाटी में अवैध आईपीएल सट्टेबाजी के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने आठ सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक करोड.रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई है।पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि, छापेमारी में एक पिस्तौल और ४० राउंड जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए हैं। इसके अलावा दो लैपटॉप, १५ एटीएम कार्ड तथा सट्टेबाजी और वित्तीय लेन-देन से जुडे.कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं।जांच के दौरान २६ विभिन्न स्थानों की भूमि संबंधी दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे सट्टेबाजी के इस नेटवर्क के आर्थिक गतिविधियों और संपत्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई को गुवाहाटी में सक्रिय अवैध आईपीएल सट्टेबाजी गिरोहों के खिलाफ बडी सफलता माना जा रहा है।

नगांव में दो बांग्लादेशी महिलाओं की पहचान, डिटेंशन कैंप भेजा गया

नगांव (असम), ०१ जून (हि.स.) । असम के जूरिया क्षेत्र में दो महिलाओं को विदेशी न्यायाधिकरण (फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल) ने बांग्लादेशी नागरिक घोषित किया है। न्यायाधिकरण के आदेश के बाद दोनों महिलाओं को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर डिटेंशन कैंप भेज दिया गया।सोमवार को सामने आई जानकारी के अनुसार, ममताज बेगम और जहांआरा बेगम नामक दोनों महिलाएं सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपनी भारतीय नागरिकता साबित करने में असफल रहीं। इसके बाद विदेशी न्यायाधिकरण ने उन्हें विदेशी

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

लखीमपुर की प्रीति साह ने सिक्किम विश्वविद्यालय में हिंदी में जीता Gold Medal, राष्ट्रपति से हुई सम्मानित

बाबू देव पांडेय` लखीमपुर १ जून : लखीमपुर की बेटी प्रीति साह ने शैक्षणिक उपलब्धि में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सिक्किम विश्वविद्यालय में हिंदी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रीति ने त्रेष्ठव चशवरश्र अपने नाम किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों सम्मानित होने के बाद प्रीति अपने पैतृक जिले लखीमपुर लौटी हैं।हमारे संवाददाता बाबू देव पांडेय ने लखीमपुर प्रीति साह से मुलाकात कर उनसे विशेष बातचीत की। प्रीति ने बताया कि छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना आसान नहीं था, लेकिन माता-पिता और गुरुओं के सहयोग से यह संभव हो सका। *प्रीति ने कहा:* ङ्गअंग्रेजी के दौर में हिंदी को चुनना कई लोगों को अजीब लगा, लेकिन मातृभाषा से जुडक़र पढाई करने का आनंद ही अलग है। लखीमपुर के छात्रों से कहना चाहूंगी कि संसाधनों की कमी बहाना नहीं बननी चाहिए। मेहनत से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।प्रीति की इस सफलता से लखीमपुर में खुशी की लहर है। प्रेरणा भारती के संवाददाता बाबूदेव पांडेय ने उन्हें एक पत्रिका, कलम भेंट कर सम्मानित किया।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिले मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा, खेल, स्वास्थ्य, ऊर्जा और विकास योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली/गुवाहाटी, १ जून: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों तथा भारत के उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर राज्य के समग्र विकास, खेल अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, शहरीकरण और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। लगभग एक घंटे तक चली बैठक में असम में खेल अवसंरचना को और सुदृढ.बनाने तथा श्रमिकों के लिए बेहतर कल्याणकारी वातावरण तैयार करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मांडविया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए असम को देश का प्रमुख खेल केंद्र बनाने के लिए केंद्र सरकार से निरंतर सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार, युवा प्रतिभाओं के विकास और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए लगातार कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी मुलाकात की। बैठक में

असम के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को और सशक्त बनाने, तेल एवं गैस की खोज गतिविधियों को बढाने तथा मौजूदा उत्पादन क्षमता में वृद्धि के उपायों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की ऊर्जा संपदा भारत की बढती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और राज्य देश की आर्थिक प्रगति में और अधिक योगदान देने के लिए तैयार है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें असम के विकास की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने 'विकसित

⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

तारीख पर तारीख: क्या न्याय व्यवस्था आम आदमी की कब्रगाह बन गई है?

भारत को दुनिया का सबसे बडा लोकतंत्र कहा जाता है, लेकिन एक कडवा सच यह भी है कि इस लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिकाआज आम आदमी के लिए उम्मीद से ज्यादा इंतजार और पीडा का प्रतीक बनती जा रही है। अदालतों में वर्षों नहीं, बल्कि दशकों तक मुकदमे लटकते रहते हैं। न्याय की आस में लोग अपनी जवानी, संपत्ति और कभी-कभी पूरी जिंदगी गंवा देते हैं। कई बार तो फैसला आने से पहले ही वादी या प्रतिवादी इस दुनिया से विदा हो जाता है। 'तारीख पर तारीख' कभी फिल्मी संवाद था, लेकिन आज यह भारतीय न्याय व्यवस्था की वास्तविक पहचान बन चुका है। सवाल यह है कि यदि न्याय पाने में २०-३० साल लग जाएं, तो क्या उसे न्याय कहा जा सकता है? न्याय में अत्यधिक देरी वास्तव में न्याय से वंचित करना ही है।

देश की अदालतों में करोडों मुकदमे लंबित हैं। निचली अदालतों से लेकर उच्च न्यायालयों और सवीच्च न्यायालय तक मामलों का पहाड खडा है। न्यायाधीशों की भारी कमी, जटिल कानूनी प्रक्रियाएं, बार-बार स्थगन, सरकारी विभागों की मुकदमेबाजी और संसाधनों का अभाव इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। लेकिन आम नागरिक के लिए ये सब बहाने हैं। उसे तो सिर्फ न्याय चाहिएवह भी समय पर।

विडंबना यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग का व्यक्ति न्याय पाने के लिए अपना घर, जमीन और जीवनभर की जमा पूंजी तक खर्च कर देता है। वकीलों की फीस, बार-बार अदालतों के चक्कर और मानसिक तनाव उसे अंदर से तोड देते हैं। दूसरी ओर, प्रभावशाली और धनवान लोग कानूनी पेचीदगियों का लाभ उठाकर मामलों को वर्षों तक खींचते रहते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। जब लोगों का न्याय व्यवस्था से विश्वास उठने लगता है, तब वे कानून की बजाय ताकत, प्रभाव या सडक पर संघर्ष का रास्ता चुनने लगते हैं। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है।

अब समय आ गया है कि न्यायिक सुधार केवल भाषणों और समितियों तक सीमित न रहें। न्यायाधीशों की संख्या बढानी होगी, रिक्त पदों को तत्काल भरना होगा, अनावश्यक स्थगनों पर कठोर नियंत्रण लगाना होगा और तकनीक के माध्यम से मामलों के शीघ्र निपटारे की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही, जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी कि वर्षों तक मुकदमे लंबित क्यों रहते हैं।

देश को यह स्वीकार करना होगा कि केवल न्यायालयों की भव्य इमारतें न्याय नहीं देतीं, बल्कि समय पर दिया गया फैसला ही वास्तविक न्याय है। यदि आम आदमी अदालत की चौखट पर जीवन गुजार दे और फैसला उसकी चिता के बाद आए, तो यह व्यवस्था की सफलता नहीं, उसकी सबसे बडी विफलता है।

न्याय में देरी अब केवल एक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है। क्योंकि जिस देश में न्याय देर से मिलता है, वहां लोकतंत्र धीरे-धीरे कमजोर पडने लगता है। जनता अब जवाब चाहती हैआखिर कब तक मिलेगी सिर्फ 'तारीख पर तारीख'?

-उदय कुमार सिंह

यह सुझाव देश के हित में है

- अवधेश कुमार

हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है तो राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच दिवसीय विदेश यात्रा पर भारत के अंदर राजनीतिक व गैर राजनीतिक मोर्चे पर हो रही टिप्पणियों के संदर्भ में उनका यह मंतव्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

शरद पवार ने देश की विदेश नीति पर आंतरिक राजनीतिक व्यवहार के संदर्भ में जो कुछ कहा है उस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के बाहर देश की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राजनीतिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन जब देश के सम्मान की बात आती है तो राजनीतिक मतभेदों को बीच में नहीं लाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच दिवसीय विदेश यात्रा पर भारत के अंदर राजनीतिक व गैर राजनीतिक मोर्चे पर हो रही टिप्पणियों के संदर्भ में उनका यह मंतव्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात से आरंभ कर स्वीडन , नीदरलैंड ,नॉर्वे और इटली की द्विपक्षीय यात्रा की तथा नार्वे की राजधानी ओस्लो में स्कैंडिनेवियाई भारत शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री के समक्ष अपने राष्ट्रीय हित को साधने का उद्देश्य था और इन यात्राओं पर विशेषज्ञों का मत यही है कि उसमें उन्हें अधिकतम सफलता मिली। किंतु राजनीतिक और गैर राजनीतिक एक्टिविज्म और सोशल मीडिया पर उनके विदेश में रहते हुए ही हमले शुरू हो गए। सारे हमलों? व? आलोचनाओं के हल्ला बोल में ऐसा एक तथ्य नहीं आया जिसमें बताया गया हो कि अमुक बिंदु पर प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्रीय हित के अनुकूल काम नहीं किया। जाहिर है कि विरोध केवल राजनीतिक मतभेदों और असहमतियों के इर्द-गिर्द था। यह चिंताजनक है क्योंकि भारत की भौगोलिक सीमाओं के अंदर की राजनीतिक असहमतियां और मतभेद सीमाओं से बाहर चला जाए तो राष्ट्रीय हित प्रभावित होता है। इसका अर्थ है कि हम देश हित को प्राथमिकता देने की जगह अपने राजनीतिक, व्यक्तिगत हित को प्राथमिकता दे रहे हैं या फिर हमारा वैचारिक दुराग्रह हावी है।

ऐसा नहीं है कि पवार की मोदी से पूरी तरह सहमति है। महाराष्ट्र में आज शरद पवार की राकांपा शक्तिहीन है तो इसी कारण क्योंकि स्वगीय अजीत पवार ने विद्रोह कर भाजपा से हाथ मिला लिया। बावजूद हमारी पारंपरिक राजनीति ,जिसका प्रतिनिधित्व करने वाले गिने-चुने नेता रह गए हैं, में यही व्यवहार लंबे समय तक रहा है। देश में हमारी असहमति होती है, आरोप - प्रत्यारोप करते हैं लेकिन जब विदेशों की , अंतरराष्ट्रीय मंच की बात आती है तो देश साथ खडा होता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर या विदेश में प्रधानमंत्री किसी राजनीतिक दल का नहीं भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहां केवल राष्ट्रहित सवीपरि होना चाहिए। पत्रकारिता में भी अनेक बार प्रधानमंत्री या दूसरे मंत्रियों के विदेश में दिए बयानों से असहमति होती थी लेकिन वरिष्ठ लोग बताते थे कि विदेश नीति पर हमारी आलोचना का स्वर ऐसा नहीं हो सकता। अपवाद हर समय रहे हैं पर पर वह कभी मुख्य धारा नहीं बना। इसलिए ज्यादातर विदेशी यात्राओं या विदेशी मेहमानों के भारत आगमन पर हुए समझौते आदि पर राजनीतिक दलों व मीडिया की ध्वनि एक समान होती थी। जैसे-जैसे राजनीतिक मतभेद बढे, भारत और वैश्विक स्तर पर अलग-अलग राजनीतिक धाराओं, निहित स्वार्थी संगठनों, समूहों के बीच संपर्क संबंध बढा इस स्वाभाविक व्यवहार में अंतर आता गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता शीर्ष पर आने के बाद यह अतिवाद तक चला गया है। इसी का प्रकटिकरण इस समय दिखा है।

एक भारतवासी के नाते इस समय हमारा उद्देश्य क्या होना चाहिए? पश्चिम एशिया संकट यानी ईरान अमेरिका इजरायल टकराव और तनाव ने ईंधन आपूर्ति में उथल-पुथल पैदा कर दिया है। हार्मूज जलडमरूमध्य की खतरनाक नाकेबंदी से निपटना विश्व के लिए मुश्किल हो रहा है। इसमें पेट्रोल डीजल आदि के लिए आयात पर निर्भर भारत या अन्य देशों के लिए दूरगामी दृष्टि से आपूर्ति की सुनिश्चित व्यवस्था करना , देशों के संबंधों में हो रहे बदलावों के साथ सामंजस्य स्थापित करना या अस्थिरता के काल में उसका आधार बनाते रहना तथा भविष्य में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय समीकरणों की दृष्टि से ऐसी स्थिति में होना ताकि देश के रूप में हम कहीं अलग-थलग न पडें। मोटा - मोटी प्रधानमंत्री की यात्रा में यही लक्ष्य समाहित होंगे। इन सबमें यहां विस्तार से जाने की आवश्यकता नहीं। आप चाहे भाजपा के सरकार के विरोधी हों या समर्थक दृष्टि एक ही होनी चाहिए कि प्रधानमंत्री की यात्राओं के दौरान उन देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडलों की बातचीत, संयुक्त घोषणाओं तथा संपन्न समझौतों में क्या-क्या हुआ? जब आप गहराई से उन सबको देखेंगे तो आपका विचार अपने आप बदल जाएगा। दुर्भाग्य से हम उन पर सरसरी दृष्टि भी डालना नहीं चाहते।

किसी पत्रकार ने नॉर्वे में दोनों प्रधानमंत्रियों के स्वागत वक्तव्य में निर्धारित प्रोटोकॉल के विपरीत जबरन कैमरे घूमाकर भारत के प्रधानमंत्री से मानवाधिकार एवं प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रश्न पूछे और वह हमारे लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो गया। नॉर्वे के साथ हमारे समझौते, हमारे यहां पेंशन फंड से २८ अरब डॉलर के निवेश की योजना, ब्लू इकोनामी साझेदारी, हरित साझेदारी आदि पर हमने चर्चा नहीं की। यही नहीं नॉर्दिक भारत शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से ट्रस्टेड ग्रीन टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप यानी विश्वसनीय हरित तकनीक एवं अन्वेषण रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिलना और कातिक परिषद में भी पर्यवेक्षक की हैसियत हासिल करना इनके लिए हास्य पर चला गया। इसी तरह इटली की यात्रा में प्रधानमंत्री ने पार्ले कंपनी के सामान्य मेलोडी ट्रॉफी वहां की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी को भेंट करते हुए एक रोचक वीडियो पोस्ट किया। इटली के साथ हमारी ठोस विशेष रणनीतिक साझेदारी कायम हुई, भारत और इटली में निर्माण करो तथा विश्व को आपूर्ति करो का ढांचा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत के स्थान की दृष्टि से महत्वपूर्ण था, अनेक मुद्दों पर हमारे साथ सहमति बनी जिनमें आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष भी है। इस यात्रा में स्वीडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया और काम करने वाली पत्रकार और कार्टून छापने वाले अखबार के देश नार्वे ने भी। संयुक्त राष्ट्र संघ की खाद्य और कृषि संगठन ने प्रधानमंत्री को विशेष रूप से सम्मानित किया। इन सब पर चर्चा की जगह हमारे यहां टौफी वीडियो को लेकर ऐसी टिप्पणियां की जा रही है जिनमें कई को देखने सुनने या पढने में शर्म आए। भारत जैसे देश में विमर्श का यह स्तर किसी को भी अंदर से परेशान कर देगा।क्या हम ऐसा करते समय विचार भी नहीं करते कि एक देश के रूप में विदेश में हमारी कैसी छवि बनेगी? यहीं पर शरद पवार का यह कथन प्रासंगिक हो जाता है कि जब भी राष्ट्रीय हित के लिए सामूहिक रूप से काम करने का मौका मिले तो सभी को एक साझा उद्देश्य के साथ जुडना चाहिए और देश की प्रतिष्ठा मजबूत करने में मदद करनी चाहिए। कोई भी प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री देश के बाहर होते हैं तो अपने दृष्टिकोण से वह देश के भविष्य और सम्मान को ही केंद्र में रखते हैं। कई बार इनमें गलतियां भी हुई है। आज के दौर के अनुसार उनकी आलोचना भी अस्वाभाविक नहीं है किंतु आलोचना तथ्यों के आधार पर होगी। अखिर जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी ट्रॉफी भेंट करने से हमारी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को कैसे नुकसान पहुंचा?इटली प्राचीन सभ्यता संस्कृति वाला यूरोप का महत्वपूर्ण और मजबूत देश है। वर्तमान तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दो प्रधानमंत्रियों के बीच इस तरह के सहज संबंध, मुस्कान और ठहाके कूटनीति की दुनिया में बहुत बडी उपलब्धि है। एक बार दो नेताओं के बीच सहज सामान्य संवाद निर्मित हो गए तो जटिल से जटिल मुद्दों पर भी सहमति बनती है तथा रास्ता निकल जाता है। दूसरे, इससे हमारे देश के एक सामान्य ब्रांड का भी जबरदस्त विपणन हुआ। इस विषय पर स्थापित अंतरराष्ट्रीय मीडिया की टिप्पणियां देखेंगे तो सकारात्मक भाव पैदा होगा।

कूटनीति में एक सामान्य वस्तु का उपयोग कर माहौल बदल देना, दुनिया को संदेश देना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय संबंधों में परस्पर व्यवहार का रास्ता दिखा देना सामान्य बात नहीं है। अभी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन दौरा हुआ और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत के सारे तस्वीर और वीडियो देख लीजिए। इसके बाद रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चीन यात्रा हुई। दोनों नेताओं के सारे तस्वीर और वीडियो देख लीजिए। पुतिन और शी जिनपिंग के बीच सामान्य संबंध हैं। बावजूद उनके व्यवहार में सहज मुस्कान नहीं दिखेगा। तनावपूर्ण और अनिश्चितताओं की दुनिया में दो महत्वपूर्ण देश के नेताओं के बीच सरल सहज मुस्कान और संबंध कूटनीति के लिए नया मानक है। कायदे से देश में इसकी प्रशंसा होनी चाहिए। भारत ने अपने लक्ष्य के अनुरूप यात्रा से सारी उपलब्धियां हासिल की जिसकी ओर तत्काल दृष्टि थी। दूसरे देश भी अपने हित के अनुसार काम कर रहे थे और उन्हें भी प्राप्त हुआ। पर मूल बात यह है कि हम एक राष्ट्र के रुप में कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं? शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता अब ज्यादा उपलब्ध नहीं है कि सामने आकर रास्ता दिखाएं। ज्यादातर जा चुके हैं। हमें ही अपने हर व्यवहार पर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्वयं को बदलना होगा।**अवधेश कुमार, ई-३०, गणेश नगर, पांडव नगर कंपलेक्स, दिल्ली ११००९२, मोबाइल ९८११०२७२०८**

वट सावित्री व्रत : प्रेम, समर्पण और अटूट विश्वास का पावन पर्व

-उदय कुमार सिंह

प्रेम की शक्ति कितनी अद्भुत हो सकती है, इसका सबसे प्रेरणादायक उदाहरण वट सावित्री व्रत में देखने को मिलता है। यह केवल एक धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने दृढ.निश्चय, बुद्धिमत्ता और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। यही कारण है कि आज भी विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए यह व्रत श्रद्धा के साथ रखती हैं।वट सावित्री व्रत महिलाओं के लिए केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं बल्कि रिश्तों की मजबूती, धैर्य, निष्ठा और समर्पण का संदेश देने वाला उत्सव भी है। यह व्रत हमें सिखाता है कि सच्चे प्रेम और अडिग विश्वास के सामने बडी से बडी बाधा भी टिक नहीं सकती।क्या है वट सावित्री व्रत?वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे ज्येष्ठ मास की अमावस्या या पूर्णिमा तिथि को अलग-अलग क्षेत्रों में मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को जबकि महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा जैसे राज्यों में ज्येष्ठ पूर्णिमा को मनाने की परंपरा है। इस दिन विवाहित महिलाएं बरगद यानी वट वृक्ष की पूजा करती हैं और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वट वृक्ष को दीर्घायु, स्थिरता और अमरत्व का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसकी जडों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु और शाखाओं में भगवान शिव का वास होता है।वट सावित्री व्रत का महत्ववट सावित्री व्रत का धार्मिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से विशेष महत्व है। यह व्रत पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में प्रेम बनाए रखने के लिए रखा जाता है। इस पर्व का संदेश है कि रिश्ते केवल शब्दों से नहीं बल्कि विश्वास, त्याग और समर्पण से मजबूत बनते हैं। सावित्री की कथा महिलाओं को साहस, धैर्य और निष्ठा की प्रेरणा देती है। यह पर्व परिवार और दांपत्य जीवन में प्रेम, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करता है।वट सावित्री व्रत कथाप्राचीन समय में मद्र देश के राजा अश्वपति की कोई संतान नहीं थी। संतान प्राप्ति के लिए उन्होंने वर्षों तक तपस्या और यज्ञ किया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी सावित्री प्रकट हुई और उन्हें एक तेजस्वी पुत्री का वरदान दिया। देवी के आशीर्वाद से जन्म लेने के कारण कन्या का नाम सावित्री रखा गया।समय बीतने के साथ सावित्री अत्यंत सुंदर, बुद्धिमान और गुणवान युवती बनी। विवाह योग्य होने पर उनके पिता ने उन्हें स्वयं अपना वर चुनने की अनुमति दी। भ्रमण के दौरान सावित्री की मुलाकात वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान से हुई। सत्यवान सत्यवादी, धर्मात्मा और परोपकारी थे। सावित्री ने उन्हें अपना पति चुन लिया।

जब ऋषि नारद को यह पता चला तो उन्होंने राजा अश्वपति को बताया कि सत्यवान अल्पायु हैं और विवाह के एक वर्ष बाद उनकी मृत्यु निश्चित है। यह सुनकर राजा चिंतित हो उठे और उन्होंने सावित्री को अपना निर्णय बदलने के लिए कहा। लेकिन सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा कि आर्य कन्या जीवन में केवल एक बार ही पति का वरण करती है।अंततः सावित्री और सत्यवान का विवाह हो गया। विवाह के बाद सावित्री अपने पति और अंधे सास-ससुर के साथ वन में रहने लगीं। वह पूरे समर्पण के साथ परिवार की सेवा करती थीं।

जैसे-जैसे सत्यवान की मृत्यु का समय निकट आने लगा, सावित्री ने कठोर उपवास और तपस्या आरंभ कर दी। नियत दिन सत्यवान लकडी काटने जंगल गए और सावित्री भी उनके साथ गईं। जंगल में अचानक सत्यवान के सिर में तेज दर्द हुआ और वे सावित्री की गोद में सिर रखकर लेट गए। तभी यमराज उनके प्राण लेने पहुंचे।यमराज जब सत्यवान की आत्मा लेकर जाने लगे, तब सावित्री भी उनके पीछे चल पडीं। यमराज ने उन्हें कई बार लौटने के लिए कहा, लेकिन सावित्री अपने पति का साथ छोडने को तैयार नहीं हुईं।सावित्री की निष्ठा और बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। पहले वरदान में सावित्री ने अपने अंधे सास-ससुर की आंखों की रोशनी मांगी। दूसरे वरदान में उन्होंने अपने ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा। तीसरे वरदान में सावित्री ने सौ पुत्रों का वरदान मांग लिया।यमराज ने तीनों वरदान दे दिए। तब सावित्री ने कहा कि पति के बिना संतान कैसे संभव है। यह सुनकर यमराज उनकी चतुराई और पतिव्रता धर्म से अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने सत्यवान को पुनजीवन प्रदान कर दिया। इसके बाद सावित्री और सत्यवान सुखपूर्वक अपने परिवार के साथ रहने लगे। तभी से वट सावित्री व्रत की परंपरा शुरू हुई।

वट सावित्री व्रत तिथि और शुभ योगपंचांग के अनुसार, वर्ष २०२६ में वट सावित्री व्रत उत्तर भारत में १६ मई २०२६, शनिवार को मनाया जाएगा। अमावस्या तिथि १६ मई को प्रातः ०५:११ बजे प्रारंभ होकर १७ मई २०२६ को पूर्वाह्न ०१:३० बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार १६ मई को व्रत रखा जाएगा।इस दिन प्रातः १०:२६ बजे तक सौभाग्य योग रहेगा, जिसके बाद शोभन योग प्रारंभ होगा। ज्योतिष शास्त्र में ये दोनों योग अत्यंत शुभ माने जाते हैं। ऐसे में इन शुभ योगों में पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है।

वट सावित्री व्रत पूजा विधि* प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।* स्वच्छ या लाल-पीले वस्त्र धारण करें और सोलह श्रृंगार करें।* पूजा की थाली में रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप, फल, मिठाई और कच्चा सूत रखें।* वट वृक्ष के नीचे जाकर जल अर्पित करें।* रोली, चावल और पुष्प अर्पित कर वट वृक्ष का पूजन करें।* वट वृक्ष के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते हुए ७, ११, २१ या १०८ बार परिक्रमा करें।* सावित्री-सत्यवान की कथा सुनें या पढें।* पति की लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना करें।* अंत में दान-पुण्य करें और बडों का आशीर्वाद लें।

वट सावित्री पूजन सामग्री* रोली, हल्दी और कुमकुम* अक्षत और पुष्प* धूप-दीप और घी* कच्चा सूत या कलावा* फल और मिठाई* नारियल, पान और सुपारी* जल से भरा कलश* सावित्री-सत्यवान की प्रतिमा या चित्र* सुहाग सामग्री जैसे चूडी, सिंदूर, बिंदी आदि

वट वृक्ष का धार्मिक महत्ववट वृक्ष को हिंदू धर्म में अमरता, स्थिरता और दीर्घायु का प्रतीक माना गया है। इसकी विशाल शाखाएं और लंबी आयु जीवन में मजबूती और स्थायित्व का संदेश देती हैं। मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा करने से त्रिदेवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।वट सावित्री व्रत से मिलने वाली सीखवट सावित्री व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रेम, धैर्य और अटूट विश्वास की प्रेरणादायक गाथा है। सावित्री की कहानी हमें यह सिखाती है कि सच्चे प्रेम और दृढ.संकल्प के आगे मृत्यु जैसी अजेय शक्ति भी झुक सकती है। आज के समय में यह पर्व रिश्तों में विश्वास, सम्मान और समर्पण की अहमियत को याद दिलाता है। वट सावित्री व्रत हर दांपत्य जीवन को प्रेम, धैर्य और समझदारी के साथ निभाने की प्रेरणा देता है।जाएं।तभी हम ऐसा अच्छा, सुरक्षित और संवेदनशील समाज बना पाएंगे, जहां अमीर-गरीब का भेद किए बिना हर इंसान की जान को समान महत्व दिया जाए और किसी को भी लापरवाही के कारण अपनी जान न गंवानी पडे।

धरती का स्पर्श,स्वस्थ जीवन का आधार:मिट्टी, चुंबकत्व और शरीर की ऊर्जा।

-सुनील कुमार महला

मिट्टी मानव जीवन का मूल आधार है। कहना गलत नहीं होगा कि हमारे भोजन, जल, वनस्पति तथा समस्त जीव-जगत का अस्तित्व मिट्टी पर ही निर्भर करता है। भारतीय संस्कृति में मिट्टी को केवल धूल नहीं माना गया, बल्कि उसे 'धरती माता' का स्वरूप दिया गया है। प्राचीन काल में लोग मिट्टी के घरों, कच्चे आंगनों और खेतों के बीच रहते थे, जिससे उनका प्रकृति से गहरा संबंध बना रहता था। मिट्टी में अनेक खनिज तत्व और प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए लाभकारी माने जाते हैं। संस्कृत साहित्य में पृथ्वी को धैर्य, सहनशीलता और पालन-पोषण का प्रतीक बताया गया है। अथर्ववेद में कहा गया है-'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। यह पंक्ति भारतीय संस्कृति में मिट्टी के महत्व को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। मिट्टी केवल अन्न उत्पन्न नहीं करती, बल्कि मनुष्य को प्रकृति से जोडकर जीवन में संतुलन, शांति और ऊर्जा भी प्रदान करती है।मानव सभ्यता का सबसे गहरा संबंध यदि किसी तत्व से रहा है, तो वह धरती और मिट्टी ही है। मनुष्य का जन्म भी प्रकृति की गोद में हुआ और उसका जीवन हजारों वर्षों तक मिट्टी, जल, वायु और सूर्य के साथ संतुलन बनाकर चलता रहा। प्राचीन भारत में छोटे बच्चों को घर-आंगन की मिट्टी में खेलने देना सामान्य बात थी। बच्चे धूल-मिट्टी में दौडते, गिरते, उठते और प्रकृति के बीच बडे होते थे। उस समय इसे गंदगी नहीं, बल्कि स्वाभाविक जीवन का हिस्सा माना जाता था। यही कारण था कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक मजबूत होती थी, शरीर सक्रिय रहता था और मानसिक विकास भी स्वाभाविक रूप से होता था। मिट्टी के संपर्क में रहने से शरीर धीरे-धीरे वातावरण में मौजूद सूक्ष्म जीवों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेता था। आज आधुनिक विज्ञान भी यह मानता है कि अत्यधिक कृत्रिम और बंद वातावरण में पलने वाले बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर हो सकती है। समय के साथ जीवनशैली बदली और आधुनिकता के नाम पर मनुष्य ने स्वयं को प्रकृति से दूर करना शुरूकर दिया। गांवों और शहरों में मिट्टी के आंगन तथा कच्चे फर्श धीरे-धीरे समाप्त होते गए। उनकी जगह सीमेंट, कंक्रीट, मार्बल, कांच और लकडी के चमकदार फर्शों ने ले ली। घरों का बाहरी सौंदर्य तो बढा, लेकिन धरती से हमारा सीधा संबंध कमजोर पडने लगा। आज बच्चे घरों में बंद होकर मोबाइल, टीवी और कृत्रिम खिलौनों के बीच बडे हो रहे हैं। नंगे पैर चलना अब पिछडेपन की निशानी समझा जाने लगा है। पैरों में हर समय रबड, प्लास्टिक, चमडे और अन्य कृत्रिम पदार्थों से बने जूते-चप्पल रहने लगे हैं। परिणामस्वरूप, शरीर का धरती से प्रत्यक्ष संपर्क लगभग समाप्त हो गया है। इसका प्रभाव केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और जीवनशैली पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है।

जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में बता चुका हूं कि भारतीय संस्कृति में धरती को केवल मिट्टी नहीं, बल्कि 'माता' का स्थान दिया गया है। सुबह उठकर धरती को प्रणाम करने की परंपरा इसी भावना को व्यक्त करती है। हमारे ऋषि-मुनि नंगे पैर चलते थे, तपस्या करते थे और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन व्यतीत करते थे। आयुर्वेद तथा योग में भी मिट्टी और पृथ्वी तत्व को शरीर के संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भारतीय परंपरा में यह विश्वास रहा है कि मिट्टी में प्राकृतिक ऊर्जा और चुंबकीय गुण विद्यमान होते हैं, जो शरीर को संतुलित रखने में सहायता करते हैं। पृथ्वी स्वयं एक विशाल चुंबक की तरह कार्य करती है और उसका चुंबकीय क्षेत्र प्रत्येक जीवित प्राणी को प्रभावित करता है। जब मनुष्य नंगे पैर धरती पर चलता है, तब शरीर और पृथ्वी के बीच ऊर्जा का स्वाभाविक आदान-प्रदान होता है। आधुनिक समय में इसे 'अर्थिंग' अथवा 'ग्राउंडिंग' जैसे नामों से भी समझाया जा रहा है। अनेक शोध यह संकेत देते हैं कि धरती के संपर्क में रहने से तनाव कम हो सकता है, नींद बेहतर हो सकती है और मानसिक शांति का अनुभव होता है।

आज आंखों की कमजोरी, त्वचा रोग, एलर्जी, तनाव तथा मानसिक अस्थिरता जैसी समस्याएं तेजी से बढ रही हैं। इसके पीछे केवल खानपान या प्रदूषण ही नहीं, बल्कि प्रकृति से बढती दूरी भी एक महत्वपूर्ण कारण मानी जा सकती है। पहले बच्चे मिट्टी में खेलते थे, पेडों पर चढते थे, खेतों में दौडते थे और खुले वातावरण में अधिक समय बिताते थे। इससे उनका शरीर स्वाभाविक रूप से मजबूत बनता था। अब जीवन एयर कंडीशनर, बंद कमरों और कृत्रिम रोशनी तक सीमित होकर रह गया है। शरीर को सूर्य का प्रकाश कम मिलता है, धरती का स्पर्श नहीं मिलता और प्रकृति से जुडाव निरंतर घटता जा रहा है। इसका प्रभाव रोग प्रतिरोधक क्षमता पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्रों तथा अनेक आदिवासी इलाकों में आज भी लोग प्रकृति के अधिक निकट जीवन जीते हैं। वहां घर-आंगन में नंगे पैर चलना सामान्य बात है। बच्चे मिट्टी में खेलते हैं और लोग खेतों तथा प्राकृतिक वातावरण में अधिक समय बिताते हैं। यही कारण है कि वहां के लोगों में शारीरिक सक्रियता, मानसिक संतुलन और प्राकृतिक जीवनशैली आज भी अपेक्षाकृत अधिक देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुडा हुआ एक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक अनुभव भी है। इसका अर्थ यह नहीं है कि आधुनिकता गलत है या हमें पुनः पूरी तरह पुराने समय में लौट जाना चाहिए। आधुनिक सुविधाएं जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाती हैं, लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति से पूर्ण दूरी बना लेना नहीं होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिक जीवन और प्राकृतिक संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित करें। बच्चों को मिट्टी, पेड-पौधों और खुले वातावरण से जोडना चाहिए। कभी-कभी नंगे पैर घास या मिट्टी पर चलना, घरों में छोटे आंगन और बगीचे बनाना तथा प्रकृति के साथ समय बिताना शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है।धरती केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन ऊर्जा का आधार है। मिट्टी में छिपे सूक्ष्म तत्व, उसकी प्राकृतिक सुगंध, उसका स्पर्श और उसके चुंबकीय गुण मनुष्य के शरीर और मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। भारतीय संस्कृति सदियों पहले इस सत्य को समझ चुकी थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक जीवन की चमक-दमक के बीच हम धरती से अपना संबंध पूरी तरह टूटने न दें, क्योंकि मनुष्य जितना प्रकृति के निकट रहेगा, उतना ही स्वस्थ, संतुलित और ऊर्जावान जीवन जी सकेगा।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ, उत्तराखंड।मोबाइल ९८२८१०८८५८

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

NIA जांच में बड़ा खुलासा: बिना सिम और....

उनकी गतिविधियां सामान्य डिजिटल निगरानी से बची रहीं।
जांच अब केवल हमले को अंजाम देने वालों तक सीमित नहीं है। सुरक्षा एजेंसियां उन सभी कड़ियों को खंगाल रही हैं, जिनके माध्यम से आतंकियों को संसाधन, उपकरण और अन्य सहयोग उपलब्ध कराया गया। अधिकारियों का मानना है कि इस दिशा में मिले नए सुराग पूरे षड्यंत्र की परतें खोलने में मदद कर सकते हैं।

जोरहाट के चार स्टूडेंट ३० मई से लापता;...

अधिकारियों को गुवाहाटी के पानबाजार इलाके में ले गई, जहां एक समय स्टूडेंट की लोकेशन ट्रैक की गई थी। हालांकि, उनके मोबाइल फोन बंद होने के बाद ट्रेस ठंडा पड़ गया, जिससे आगे ट्रैकिंग मुश्किल हो गई।एक अहम डेवलपमेंट में, लापता स्टूडेंट में से एक की मां ने स्टूडेंट के घर से निकलने के तुरंत बाद अपने बच्चे से फोन पर बात करने में कामयाबी हासिल की। बातचीत के दौरान, स्टूडेंट ने कथित तौर पर उसे बताया कि वे एक पारंपरिक असमिया नाटक, भोना देखने गए थे, और जल्द ही घर लौट आएंगे। हालांकि, स्टूडेंट कभी वापस नहीं आया, और उसके बाद फोन भी नहीं लग पाया। लापता स्टूडेंट्स में से तीन ने हाल ही में हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (HSLC) की परीक्षा पास की थी और क्लास दस में पढ़ रहे थे, जबकि चौथी स्टूडेंट, जो एक लड़की है, क्लास तखस में पढ़ती है। चारों वेस्ट जोरहाट के पुलिबोर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों के रहने वाले हैं। लापता स्टूडेंट्स के परिवार रविवार को पुलिस स्टेशन गए और अधिकारियों से सर्च ऑपरेशन तेज करने की अपील की। ??जबकि कुछ परिवार वालों ने किडनैपिंग का डर जताया है, पुलिस अधिकारियों ने ऐसे किसी एंगल की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि सभी संभावित सुरागों की अच्छी तरह से जांच की जा रही है। जांच करने वालों को एक हाथ से लिखा नोट भी मिला है जो कथित तौर पर लापता क्लास दस के एक स्टूडेंट ने छोड़ा था। सूत्रों के मुताबिक, नोट में लिखा था कि स्टूडेंट घर इसलिए छोड़कर चली गई थी क्योंकि वह अपने माता-पिता की पढ़ाई की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पा रही थी। आगे की जांच से पता चला है कि स्टूडेंट्स गायब होने से पहले एक लड़के के कॉन्टैक्ट में थे। वह आदमी भी लापता बताया जा रहा है, जिससे पुलिस यह जांच कर रही है कि उसके गायब होने और इस केस के बीच कोई कनेक्शन है या नहीं।
इस घटना से पूरे जोरहाट जिले में बहुत चिंता फैल गई है, खासकर इसलिए क्योंकि स्टूडेंट्स अपनी स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए गायब हो गए। परिवार परेशान हैं क्योंकि पुलिस स्टूडेंट्स को ढूंढने और जल्द से जल्द उनकी सुरक्षित वापसी पक्का करने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए है और कई जांच के सुराग ढूंढ रही है।

लव जिहाद: नलबाड़ी में युवक की हत्या पर....

आरोप लगाया कि रोज अली लंबे समय से उनकी बेटी से शादी करने के नाम पर परेशान कर रहा था। उन्होंने दावा किया कि आरोपित ने कई बार चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी और उन्हें तथा उनकी बेटी को भी नुकसान पहुंचाने की बात कही थी।युवती की मां के अनुसार, उनकी बेटी जब नौवीं कक्षा में पढ़ती थी तभी से रोज अली उसे परेशान कर रहा था। लगातार उत्पीड़न के कारण उसकी पढ़ाई प्रभावित हुई और वह मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रोज अली के माता-पिता ने मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराने के लिए उनसे अनुरोध किया था और उनके सामने हाथ जोड़कर गुहार लगाई थी। उल्लेखनीय है कि गंगापुर में हुई इस घटना में भाई की मौत हो गई, जबकि बहन गंभीर हालत में उपचाराधीन है। मामले को लेकर पूरे राज्य में आक्रोश का माहौल है और लोग दोषी के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

वकीलपट्टी में नशे के सेवन के दौरान तीन युवक ....

में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।स्थानीय लोगों का दावा है कि आरोपियों के पास से कुछ मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। हालांकि, बरामद सामग्री की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।घटना के बाद क्षेत्र में मादक पदार्थों के बढ़ते प्रचलन को लेकर चिंता और गहरा गई है। नागरिकों का कहना है कि शहर की गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम नशा करने की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं, जिनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी वायरल होती रहती हैं।स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से मादक पदार्थों के खिलाफ और अधिक सख्त अभियान चलाने तथा संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है, जिस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन, पुलिस और समाज को मिलकर काम करना होगा।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा पकड़े गए युवकों से पूछताछ जारी है।

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, ...

को जब्त कर लिया, जिन्हें विभिन्न बाजारों में भेजने और निर्यात के लिए तैयार किया जा रहा था। विभाग ने मौके से १५ बोरियां परवल अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।अधिकारियों ने कहा कि खाद्य पदार्थों में हानिकारक रसायनों के उपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और थोक बाजारों में निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस कार्यालय में जमकर मारपीट, नुरुल हुदा....

कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली।बताया गया है कि बिन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र को एजेपी (असम जातीय परिषद) के उम्मीदवार के लिए छोड़ने के फैसले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में लंबे समय से नाराजगी थी। इसी मुद्दे को लेकर कार्यकर्ताओं का आज गुस्सा फूट पड़ा।स्थिति को गंभीर होते देख नुरुल हुदा को राजीव भवन से जल्दबाजी में निकलना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ गया है।

युवा दर्पण के १३वें स्थापना दिवस पर गुवाहाटी ....

मंजूर अहमद बढ़भुइयां तथा राजू दे का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इनके अतिरिक्त शिक्षा, पत्रकारिता, समाजसेवा, संस्कृति, साहित्य और जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनेक व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथियों ने अपने संबोधन में समाज निर्माण, निष्पक्ष पत्रकारिता तथा युवा शक्ति की सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई दी।सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, साहित्यकार तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रेरणादायी वक्तव्यों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह के समन्वय ने पूरे आयोजन को यादगार एवं सफल बना दिया।

नगांव में दो बांग्लादेशी महिलाओं की पहचान,....

घोषित कर दिया और प्रशासन ने न्यायाधिकरण के निर्देशानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें डिटेंशन सेंटर में स्थानांतरित कर दिया।राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के बीच यह मामला सामने आया है। अधिकारियों ने बताया कि नागरिकता और अवैध प्रवासन से जुड़े मामलों में लागू कानूनी प्रावधानों के तहत न्यायाधिकरण के आदेश को क्रियान्वित किया गया।जुरिया क्षेत्र में इस कार्रवाई को लेकर व्यापक चर्चा है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि विदेशी न्यायाधिकरण के निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए दोनों महिलाओं के खिलाफ आवश्यक कानूनी कदम उठाए गए हैं।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिले मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा....

असम' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उपराष्ट्रपति से मार्गदर्शन और सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति का अनुभव और मार्गदर्शन राज्य के विकास अभियान के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।
मुख्यमंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भी मुलाकात की। इस दौरान राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने, प्रोटॉन बीम थेरेपी जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास तथा असम को मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बनाने की योजनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक विस्तार कार्यक्रम चला रही है, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।नहीं केंद्रीय ऊर्जा तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ हुई बैठक में असम को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और शहरीकरण की प्रक्रिया को गति देने के लिए विस्तृत रोडमैप पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र और शहरी विकास परियोजनाओं के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। बैठक में दोनों मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय और सहयोग से असम खेल, स्वास्थ्य, ऊर्जा, उद्योग तथा आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और 'विकसित असम' के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।बैठक के दौरान विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी उपस्थित थे।

ऐतिहासिक जीत पर भाजपा बड़खोला मंडल ने किशोर नाथ का किया भव्य सम्मान

चंद्रशेखर ग्वाला बड़खोला, १ जून: भारतीय जनता पार्टी बड़खोला मंडल की ओर से हाल ही में संपन्न चुनाव में ऐतिहासिक और प्रचंड जीत दर्ज करने वाले नेता किशोर नाथ को बड़खोला मल्टीपरपज़ हॉल में एक भव्य एवं आत्मीय सम्मान समारोह के माध्यम से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति से उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। मंडल अध्यक्ष पिनाक कांति दास की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मान समारोह में किशोर नाथ ने उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं और समर्थकों का प्रेम, स्नेह तथा आशीर्वाद उन्हें जनसेवा के कार्यों में और अधिक जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि उन्हें जो सम्मान और शुभकामनाएं प्राप्त हुई हैं, उसके लिए वे बड़खोला मंडल के प्रत्येक कार्यकर्ता, समर्थक और शुभचिंतक के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि यह विजय किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि बड़खोला क्षेत्र की प्रत्येक माता-बहन, युवा, किसान, श्रमिक तथा समाज के सभी वर्गों के लोगों की जीत है।किशोर नाथ ने विश्वास दिलाया कि जनता द्वारा व्यक्त किए गए भरोसे और समर्थन का सम्मान करते हुए वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, शांति और समृद्धि के लिए भविष्य में भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते रहेंगे।

बच्चों की लड़ाई का गुमराह करने वाला वीडियो दिखाने वाले फेसबुक पेज के खिलाफ डिब्रूगढ़ पुलिस कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी

डिब्रूगढ़ (अर्णव शर्मा) १ जून : डिब्रूगढ़ पुलिस ने एक फेसबुक पेज/अकाउंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है, जिस पर आरोप है कि उसने एक गुमराह करने वाला वीडियो शेयर किया जिसमें बच्चों को लड़ाई करते हुए दिखाया गया था, जबकि यह झूठा दावा किया गया था कि यह घटना डिब्रूगढ़ जिले में हुई थी।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, वीडियो के शेयर होने के बाद की गई जांच में पता चला कि फुटेज न तो हाल का था और न ही डिब्रूगढ़ से जुड़ा था। वेरिफिकेशन से पता चला कि वीडियो महाराष्ट्र का एक पुराना क्लिप था। कथित तौर पर गुमराह करने वाले पोस्ट ने लोगों में बेवजह घबराहट और कन्फ्यूजन पैदा किया।पुलिस ने कहा कि बच्चों से जुड़े ऐसे कंटेंट को पब्लिश और फैलाना जुवेनाइल जस्टिस (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) एक्ट, २०१५ के सेक्शन ७४ का उल्लंघन हो सकता है, जो कानून के खिलाफ संघर्ष कर रहे बच्चों या देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों की पहचान बताने पर रोक लगाता है।
डिब्रूगढ़ के सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, गुरव अभिजीत दिलीप ने डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज को गुमराह करने वाला कंटेंट शेयर करने वालों के खिलाफ सही कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। प्रस्तावित कार्रवाई में संबंधित फेसबुक पेज/अकाउंट को हमेशा के लिए सस्पेंड करने की कोशिशें भी शामिल होंगी।डिब्रूगढ़ पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और बिना वेरिफाइड जानकारी शेयर करने से बचें। लोगों से कहा गया है कि वे कंटेंट को फॉरवर्ड या पब्लिश करने से पहले उसकी असलियत वेरिफाई कर लें, खासकर ऐसा कंटेंट जिससे लोगों में डर पैदा हो, गलत जानकारी फैले, या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी नियमों का उल्लंघन हो।पुलिस ने नकली या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और कानून के मुताबिक नाबालिगों के अधिकारों और प्राइवेसी की सुरक्षा करने का अपना वादा दोहराया।

थाना चरियाली ROB के पास जाम नालों से मॉनसून से पहले पानी भरने का डर

डिब्रूगढ़ (अर्णव शर्मा) १ जून :: मॉनसून का मौसम तेजी से आ रहा है, ऐसे में मनकोटा रोड पर थाना चरियाली में रोड ओवर ब्रिज (ROB) के पास रहने वाले लोगों ने पुल के दोनों तरफ सड़क किनारे नालों की खराब हालत पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर तुरंत सुधार के उपाय नहीं किए गए तो पानी भर सकता है और बाढ़ आ सकती है।रेलवे लाइन से मनकोटा रोड तक फैले ROB के दोनों तरफ बहने वाले नाले, कीचड़, मिट्टी, गाद और उगे हुए पेड़-पौधों के जमा होने की वजह से पूरी तरह से जाम हो गए हैं। इस वजह से, पानी निकालने के चैनल काम नहीं कर रहे हैं, जिससे बारिश का पानी आसानी से नहीं बह पा रहा है और आने वाले बारिश के मौसम में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कई महीनों से नालों पर ध्यान नहीं दिया गया है, और संबंधित अधिकारियों ने कोई रखरखाव या सफाई का काम नहीं किया है। घास-फूस की बेकाबू बढ़ोतरी और मलबे के जमा होने से न सिर्फ पानी का बहाव रुका है, बल्कि इलाके में गंदगी भी फैल गई है। यह स्थिति पैदल चलने वालों, आने-जाने वालों और लोकल बिजनेस के लिए चिंता का विषय बन गई है, जो रेगुलर इस बिजी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। लोगों को डर है कि हल्की बारिश से भी बहुत ज़्यादा पानी भर सकता है, जिससे ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है और आस-पास के घरों और कमर्शियल जगहों को परेशानी हो सकती है।एक लोकल रहने वाले ने कहा, ड्रेनेज पूरी तरह से ब्लॉक है और पानी को निकलने के लिए कोई जगह नहीं है। अगर अधिकारी तुरंत कार्रवाई नहीं करते हैं, तो मानसून शुरू होते ही इलाके में पानी भरने की गंभीर समस्याएं होंगी।ड्रेनेज सिस्टम की बिगड़ती हालत को देखते हुए लोकल लोगों ने डिब्रूगढ़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से बिना देर किए दखल देने की अपील की है। उन्होंने नालों से तुरंत गाद निकालने, सफाई करने और उन्हें ठीक करने की अपील की है ताकि पानी आसानी से निकल सके और मानसून के महीनों में बाढ़ न आए। लोगों को उम्मीद है कि सिविक बॉडी इस समस्या को हल करने के लिए तुरंत कार्रवाई करेगी और आने वाले हफ्तों में लोगों को होने वाली मुश्किलों को टालेगी।

जगन्नाथ मंदिर की जर्जर छत से टपक रहा बारिश का पानी, ग्रामीणों ने निधि शीघ्र जारी करने की लगाई गुहार

प्रे.सं. बड़खोला, १ जून। बड़खोला विधानसभा क्षेत्र के भुवनेश्वर नगर ग्राम पंचायत अंतर्गत बिहारा तृतीय खंड के छयारन बस्ती स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर की छत क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों में गहरी चिंता व्याप्त है। मंदिर की छत का ढलाई वाला हिस्सा टूट जाने के कारण वर्षा का पानी सीधे गर्भगृह एवं भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा के आसन तक पहुंच रहा है, जिससे धार्मिक आस्था के केंद्र इस मंदिर की स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार, मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए शिलचर के सांसद श्री परिमल शुक्लवैद्य से सहायता की मांग की गई थी। इस पर सांसद ने वर्ष २०२५ में मंदिर के विकास एवं मरम्मत कार्य के लिए ५ लाख रुपये की राशि स्वीकृत की थी। किंतु खेदजनक रूप से अब तक उक्त राशि गांव या मंदिर समिति को प्राप्त नहीं हुई है, जिसके कारण आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है।ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभागों से स्वीकृत निधि को शीघ्र जारी करने की मांग की है। उनका कहना है कि आगामी रथयात्रा महोत्सव को देखते हुए यदि मंदिर की मरम्मत का कार्य समय रहते पूरा हो जाए तो श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले सकेंगे और गांव में उत्सव का माहौल और भी भव्य हो जाएगा।
वर्तमान स्थिति इतनी गंभीर है कि भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा को सुरक्षित रखने के लिए मंदिर के रसोईघर का अस्थायी रूप से उपयोग किया जा रहा है। इससे मंदिर की जर्जर छत की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता और भी बढ़ गई है।
इस अवसर पर ग्रामीणों ने क्षेत्र के प्राचीन शीतला माता मंदिर तथा भैरव बाबा मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि दोनों मंदिर काफी पुराने हो चुके हैं और समय रहते इनके संरक्षण एवं मरम्मत की व्यवस्था नहीं की गई तो भविष्य में सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न होने के साथ-साथ धार्मिक आयोजनों के संचालन में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सभी लंबित विकास एवं संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की अपील की है, ताकि क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

चोरी के मामले में दो शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

गुवाहाटी, ०१ जून (हि.स.)। गुवाहाटी पुलिस की वशिष्ठ थाना क्षेत्र की ईजीपीडी टीम ने चोरी के एक मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सिपाझार निवासी मोहम्मद सहजहान अली उर्फ सरु (२२) तथा गौरीपुर निवासी मफिजुल हक उर्फ मोइनुल (३१) के रूप में हुई है।गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय के आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सिक्समाइल के संजोगी वाइलेन क्षेत्र में दर्ज एक चोरी की घटना की जांच के दौरान दोनों आरोपितों को पकड़ा गया। तलाशी अभियान में उनके पास से चोरी की एक लावा ५जी मोबाइल हैंडसेट, दो रियलमी एंड्रॉयड मोबाइल फोन, दो संदिग्ध सोने की चेन व लॉकेट, एक संदिग्ध सोने की अंगूठी तथा पांच जोड़ी संदिग्ध सोने की बालियां बरामद की गईं।

सिबसागर में जनगणना २०२७ के अधिकारियों के लिए तीन-दिवसीय प्रशिक्षण पूरा हुआ

सिबसागर (अर्णव शर्मा) १ जून :: सिबसागर जिले में जिला और चार्ज-स्तर के जनगणना अधिकारियों के लिए आयोजित तीन-दिवसीय जिला-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो २०२७ की जनगणना (MaU-I: हाउसलिस्टिंग और आवास जनगणना) की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिला आयुक्त कार्यालय के सुकाफा सम्मेलन कक्ष में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।जनगणना संचालन निदेशालय, असम द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम २७ मई को शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य अधिकारियों को भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना आयोजित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी कौशल से लैस करना था। निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने अतिरिक्त प्रधान जनगणना अधिकारियों, जिला जनगणना अधिकारियों, अतिरिक्त और उप-जिला जनगणना अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, अतिरिक्त चार्ज अधिकारियों और अन्य जिला तथा चार्ज-स्तर के पदाधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया।२०२७ की जनगणना, जनगणना कार्यों में एक बड़ा बदलाव लाएगी, क्योंकि यह पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों के जरिए दो चरणों में आयोजित की जाएगी। असम में, हाउसलिस्टिंग और आवास जनगणना अभियान (वहअ) १७ अगस्त से १५ सितंबर, २०२६ तक चलाया जाएगा, जो देशव्यापी जनसंख्या गणना की नींव रखेगा। निवासियों को २ अगस्त से १६ अगस्त, २०२६ तक एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना करने का अवसर भी मिलेगा। दूसरा चरण, जनसंख्या गणना (PE), फरवरी २०२७ में आयोजित किया जाना निर्धारित है।प्रशिक्षण के अंतिम दिन, जनगणना संचालन निदेशालय, असम के सहायक निदेशक, नयनमोनी गोगोई, और सांख्यिकी अधिकारी, अर्पण देवनाथ, ने संसाधन व्यक्तियों (resource persons) के रूप में कार्य किया और जनगणना २०२७ के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों सत्र आयोजित किए।इन सत्रों का मुख्य केंद्र वहअ मोबाइल ऐप के संचालन और विशेषताओं, HLO सुपरवाइजर ऐप का उपयोग करते समय पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियों, तथा जनगणना से संबंधित मोबाइल और वेब अनुप्रयोगों के उपयोग में डेटा नैतिकता, गोपनीयता, सुरक्षा और समस्या-समाधान (ट्रिलशूटिंग) से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर था।प्रतिभागियों को क्षेत्र-स्तरीय चुनौतियों, उत्तरदाता और प्रगणक के बीच संवाद, तथा जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (CMMS) डैशबोर्ड के माध्यम से गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी के बारे में भी जानकारी दी गई। चार्ज अधिकारियों के लिए उपचक पोर्टल में उपयोगकर्ता खाते (user accounts) बनाने पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। अधिकारियों को जनगणना क्षेत्रों की पहचान करने के लिए सैटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करके हाउसलिस्टिंग ब्लॉक बनाने (HLBC) की प्रक्रिया पर आगे प्रशिक्षण दिया गया।यह कार्यक्रम एक समापन सत्र के साथ समाप्त हुआ, जिसमें जिला आयुक्त और प्रधान जनगणना अधिकारी मृदुल यादव उपस्थित थे; इस सत्र के दौरान संसाधन व्यक्तियों और प्रभारी अधिकारियों के साथ एक सामूहिक तस्वीर ली गई। जिला जनगणना अधिकारी सोनोट्रष्णा घरफलिया ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में उनके योगदान के लिए संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों में अतिरिक्त जिला आयुक्त और जिला जनगणना अधिकारी सोनोट्रष्णा घरफलिया, सह-जिला आयुक्त और उप-जिला जनगणना अधिकारी प्रतिभा मेश्राम (नजीरा) और लुकुमणि बोरा (दिमो), सहायक आयुक्त और अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी परिस्मिता डिहिंगिया, जिला सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी जगदीश बुरागोहेन, प्रभारी अधिकारी, नगरपालिका अधिकारी, स्कूल निरीक्षक, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी और उप-जनगणना अधिकारी शामिल थे।अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने डिजिटल रूप से सक्षम जनगणना २०२७ और उससे जुड़े डेटा प्रबंधन प्रणालियों के सफल कार्यान्वयन के लिए जिले की तैयारियों को और मजबूत किया है।

तिनसुकिया में ULFA (I) के दो संदिग्ध लिंकमैन पकड़े गए; पुलिस ने कार्रवाई तेज़ की

तिनसुकिया: (अर्णव शर्मा) १ जून :बैन किए गए मिलिटेंट संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) [ULFA-I] के सपोर्ट नेटवर्क के खिलाफ चल रही कार्रवाई में एक अहम डेवलपमेंट में, तिनसुकिया पुलिस ने जिले के पेंगेरी इलाके से दो युवकों को संगठन के साथ उनके कथित लिंक के लिए पकड़ा। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान दुलाव मोरान और रॉगट मोरान के रूप में हुई है, जो दोनों तिनसुकिया जिले के नलानी गांव के रहने वाले हैं।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों लोग कथित तौर पर ULFA (I) के लिए लिंकमैन के तौर पर काम कर रहे थे, जो विद्रोही संगठन और उसके लोकल कॉन्टैक्ट्स के बीच कम्युनिकेशन को आसान बनाते थे। जांचकर्ताओं को यह भी शक है कि दोनों संगठन में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। उनकी कथित गतिविधियों के बारे में खास इंटेलिजेंस इनपुट मिलने के बाद तिनसुकिया पुलिस द्वारा चलाए गए एक स्पेशल ऑपरेशन के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं। चल रही जांच के तहत दोनों संदिग्धों से अभी पूछताछ की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ऑपरेशन ऊपरी असम में बैन संगठन के सपोर्ट नेटवर्क को खत्म करने के एक बड़े कैंपेन का हिस्सा है। पिछले हफ्ते, लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने कथित तौर पर णडक्ष्ण (ख) से कथित लिंक के सिलसिले में असम और दूसरे राज्यों में अलग-अलग जगहों से १२ संदिग्ध लिंकमैन को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने दावा किया कि लगातार चल रहे ऑपरेशन ने इस इलाके में चल रहे संगठन के नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है और कम्युनिकेशन और सपोर्ट के मुख्य चैनल पहचानने में मदद की है।इस बीच, नेटवर्क की पूरी हद का पता लगाने और संगठन से जुड़े दूसरे लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। सुरक्षा एजेंसियों ने राज्य में सतर्कता बनाए रखने और मिलिटेंट एक्टिविटी को फिर से शुरू करने की किसी भी कोशिश को रोकने का अपना वादा दोहराया है।

स्वच्छता ही सेवा कैंपेन के तहत क्लीन दिबांग वैली इनिशिएटिव शुरू किया गया

अनिनी (अरुणाचल प्रदेश):(अर्णव शर्मा) १ जून : एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक क्लीनलेस को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, दिबांग वैली के डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने देश भर में चल रहे स्वच्छता ही सेवा कैंपेन के हिस्से के तौर पर अनिनी टाउनशिप से क्लीन दिबांग वैली इनिशिएटिव शुरू किया। क्लीनिंग ड्राइव को बेकिर न्योरक ने हरी झंडी दिखाई, जिन्होंने टाउनशिप की अलग-अलग पब्लिक जगहों पर कैंपेन में एक्टिवली हिस्सा लिया।इकट्ठा हुए लोगों को एड्रेस करते हुए, डिप्टी कमिश्नर ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट, एनवायरनमेंटल कंजर्वेशन और डिस्ट्रिक्ट की रिच नेचुरल हेरिटेज को सेफ रखने में कम्युनिटी पार्टिसिपेशन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस इलाके के लिए एक हेल्दी और ज़्यादा सस्टेनेबल फ्यूचर पक्का करने के लिए साफ-सफाई बनाए रखना और एनवायरनमेंट की रक्षा करना ज़रूरी है।प्रोग्राम में डिपार्टमेंट्स के हेड्स, सरकारी अधिकारियों, बाजार वेलफेयर कमेटी के मेंबर्स, पंचायती राज इंस्टीट्यूशन (PRI) के रिप्रेजेंटेटिव्स, DTMA और BTMS के अधिकारियों, टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स और आम लोगों ने जोश के साथ हिस्सा लिया।सभी पार्टिसिपेंट्स ने मिलकर किए गए प्रयासों की तारीफ करते हुए, न्योरक ने लोगों से ऐसी सोशल सर्विस इनिशिएटिव्स को सपोर्ट करते रहने की अपील की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सफाई और बचाव सबकी मिली-जुली जिम्मेदारियां हैं, जिनके लिए लगातार पब्लिक का सहयोग और कमिटमेंट ज़रूरी है। यह पहल जिला प्रशासन की नागरिक जमिमेदारी, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और कम्युनिटी की भागीदारी को बढ़ावा देने की लगातार कोशिशों को दिखाती है, साथ ही देश भर में चल रहे स्वच्छता ही सेवा कैंपेन के मकसद में भी योगदान देती है।

दुमदुमा के सीमा सड़क संगठन 'उदयक ' परियोजना ने ३७ वें स्थापना दिवस पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

दुमदुमा प्रेरणा भारती गोरख नाथ गुप्ता १ जून :-- सीमा सड़क संगठन के दुमदुमा में स्थित उदयक परियोजना का ३७वां स्थापना दिवस मनाया। इस स्थापना दिवस पर एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 'उदयक' प्रोजेक्ट की स्थापना १ जून १९९० को देश के पूर्वोत्तर सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास के उद्देश्य से की गई। आज स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यालय में सुबह एकता दौड़ 'यूनिटी रन') का आयोजन किया गया। इसके बाद स्थानीय उद्यानों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के तहत संगठन के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा एक निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य एवं दंत चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया। इस शिविर में राज्य सरकार के चिकित्सकों ने भी सहयोग प्रदान किया। इस चिकित्सा शिविर में दुमदुमा अंचल के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों ने समाज सेवा और जनकल्याण के साथ देश के प्रति समर्पित भाव पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

PM SHRI SCHOOL JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA : SRIBHUMI
Harinagar, Assam, PIN : 788734

RE-AUCTION NOTICE

Sealed Re-Tenders have been invited from the authorised persons/parties who is having the valid trade licenses for purchasing of the following old, condemned and obsolete materials etc. from this vidyalaya. The sealed tenders will be opened on **13.06.2026 (Saturday) at 10.00 am** at the Vidyalaya premises for disposal of the Condemned items like

(a) Old Cotton Mattresses / Blankets / Mosquito Nets / Pillows
(b) Empty Plastic Rice Bags
(c) Empty Jute Bags
(d) Empty Paneer Tins
(e) Empty Pickle Jars
(f) Empty Oil Tins
(g) Plastic Jars
(h) Unused News Papers

Intended buyers may attend the auction with Earnest Money deposit as per the list mentioned in the website.
For detail, kindly visit Office of JNV, Karimganj, Harinagar, Assam or Website: **https://navodaya.gov.in/nvs/AS/Karimganj**

Sd/-, Yogesh Kumar,
Principal

प्राचीन एवं ऐतिहासिक काशी विश्वनाथ मंदिर की भव्यता और बढ़ गई है जानेः

- अतनु दास, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली-वाराणसी १ जून : ऐतिहासिक दस्तावेजों और औपनिवेशिक काल की पुरानी काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी का संक्षिप्त इतिहास और विवरण के अध्ययन के आद अभी पिछले महीने की यात्रा के मुताबिक.जो संक्षिप्त ऐतिहासिक विवरण और जानकारी आप के लिए जुटा पाया हैं के अनुसार इस महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मंदिर की पृष्ठभूमि इस प्रकार है।इतिहासऐतिहासिक स्रोतों एवं पुराने गजेटियर्स के अनुसार, इस मंदिर पर कई बार हमले हुए और इसका पुनर्निर्माण किया गया:प्रथम निर्माण व प्राचीन इतिहास: स्कंद पुराण के 'काशी खंड' में इस ज्योतिर्लिंग का वर्णन मिलता है. इतिहासकारों के अनुसार, ११वीं सदी में राजा हरिश्चंद्र ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था.पहला बडा विध्वंस (११९४ ईस्वी): कुतुबुद्दीन ऐबक और मुहम्मद गोरी की सेना ने वाराणसी पर आक्रमण कर इस भव्य मंदिर को भारी नुकसान पहुँचाया।इसके बाद स्थानीय लोगों और राजाओं द्वारा इसका पुनः निर्माण कराया गया.दूसरा विध्वंस (१४४७ ईस्वी): जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह शर्की के शासनकाल में मंदिर को एक बार फिर तोडा गया.अकबर और राजा टोडरमल का काल (१५८५ ईस्वी): मुगल सम्राट अकबर के राजस्व मंत्री राजा टोडरमल ने प्रसिद्ध विद्वान नारायण भट्ट के सहयोग से मंदिर का अत्यंत भव्य और विशाल पुनर्निर्माण करवाया ।

औरंगजेब का आक्रमण (१६६९ ईस्वी): मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर इस मुख्य मंदिर को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया और उसके एक हिस्से पर ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण कराया गया।वर्तमान मंदिर का निर्माण (१७८० ईस्वी)पुरानी आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान मंदिर का निर्माण मूल स्थान के ठीक बगल में इंदौर की मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन १७८० में कराया गया था।स्वर्ण शिखर: इसके बाद सन १८३५ में, पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह ने मंदिर के शिखरों को मढ़ने के लिए लगभग १,००० किलोग्राम शुद्ध सोना दान किया था, जिससे इसे 'गोल्डन टेम्पल' भी कहा जाने लगा।औपनिवेशिक काल की रिपोर्ट्स (औपचारिक विवरण)१९वीं सदी के ब्रिटिश अधिकारियों और शोधकर्ताओं जैसे जेम्स प्रिंसिप (गराशी झीळपीशी) और एडविन ग्रीव्स (एव्ुळप ऋीशीीशी) की पुरानी रिपोर्टों में काशी विश्वनाथ मंदिर की वास्तुकला और बनारस की संकरी गलियों (विश्वनाथ गली) का सजीव वर्णन मिलता है:भौगोलिक स्थिति: यह मंदिर वाराणसी में पवित्र गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित है.धार्मिक महत्व: पुरानी रिपोर्टों में यह दर्ज है कि भारत के कोने-कोने से लाखों हिंदू श्रद्धालु अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार यहाँ आकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन और गंगा स्नान करने की तीव्र इच्छा रखते हैं, जिसे 'मोक्ष' का साधन माना जाता है।सरकारी प्रबंधन (१९८३): ऐतिहासिक रूप से काशी नरेश (बनारस के महाराजा) इस मंदिर का प्रबंधन देखते थे. हालांकि, पुरानी प्रशासनिक रिपोर्टों के अनुसार २८ जनवरी १९८३ को उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मंदिर का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया।अब यह ऐतिहासिक प्राचीन शहर भारतवर्ष के लगातार तीसरी बार चुने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का संसदीय क्षेत्र है।वर्तमान प्रधानमंत्री का संसदीय होने के कारण इस शहर का उल्लेखनीय ढंग से आधुनिकीकरण कराया गया है। इसके तहत काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन हेतु श्रध्दालुओं के लिए अति उत्तम पृथक कॉरिडोर का निर्माण किया गया है।बिजली पानी के उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया गया है।टूटे फूटे सड़कों को अति सुंदर रूप दिया गया।पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गंगा नदी में नौकायन की अत्याधुनिक व्यवस्था की गई है।

प्रसिद्ध गंगा घाटों पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साथ रोजाना मनोरम आरती भी की जाती है।

टिटाबर के बरहोला तेलक्षेत्र में श्रमिक शोषण, सुरक्षा की अनदेखी और श्रम कानून उल्लंघन के गंभीर आरोप

प्रे.सं.टिटाबर १ जून : देश की प्रमुख महारत्न तेल कंपनी ONGC तथा उसके अधीन कार्यरत विभिन्न ठेकेदार संस्थाओं के खिलाफ टिटाबर उप-जिले के अंतर्गत बरहोला क्षेत्र में श्रमिक शोषण, कार्यस्थल सुरक्षा की अनदेखी, स्थानीय युवाओं को रोजगार से वंचित करने तथा श्रम कानूनों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद (AJYCP), स्थानीय संगठनों तथा प्रभावित श्रमिक परिवारों द्वारा लगाए गए हैं।

आरोपों के अनुसार, क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं में रोजगार संकट बने रहने के बावजूद जछत्रऋउ के अधीन कई ठेकेदार संस्थाएं स्थानीय उम्मीदवारों की उपेक्षा कर बाहरी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही हैं। वहीं नियुक्त किए गए कई स्थानीय युवाओं को लिखित अनुबंध, नौकरी की सुरक्षा और कानूनी सुविधाओं से वंचित रखते हुए कम मजदूरी पर अधिक शारीरिक श्रम करवाने का भी आरोप लगाया गया है। सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी के भुगतान में भी व्यापक अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है।तेल और गैस उत्पादन क्षेत्र को सबसे जोखिमपूर्ण कार्यस्थलों में से एक माना जाता है। लेकिन आरोप है कि अनिवार्य चळपश तेलरींळेपरश्र ढीरळपळपस (चतढ) और अन्य सुरक्षा प्रशिक्षण दिए बिना कई श्रमिकों को सीधे जोखिमपूर्ण कार्यों में लगाया जा रहा है। संबंधित पक्षों का कहना है कि यदि DGMS के निर्देशों के बावजूद ऐसा हो रहा है, तो यह श्रमिकों के जीवन को सीधे खतरे में डालने के समान है।

इसके अतिरिक्त, कई श्रमिकों के लिए उचित बीमा सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा और दुर्घटना मुआवजा व्यवस्था प्रभावी नहीं होने के आरोप भी लगाए गए हैं। बरहोला GGS में चल रही सैकडों करोड.रुपये की डळषश ऍींशपीळेप झीक्षशलीं में बडी संख्या में श्रमिक कार्यरत होने के बावजूद उनके लिए समर्पित एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं होना गंभीर चिंता का विषय बताया गया है। वहीं जछत्रऋउ के स्थायी कर्मचारियों के लिए २४ घंटे एम्बुलेंस, चालक और चिकित्सा सहायक उपलब्ध होने के बावजूद ठेका श्रमिकों को ऐसी सुविधाएं नहीं मिलने से भेदभाव के आरोप लगाए गए हैं। हाल ही में तेलक्षेत्र में कार्यरत ध्रुवज्योति हजारिका (Helper) कार्य के दौरान एक गंभीर दुर्घटना का शिकार हुए। आरोप है कि घटना के बाद संस्था द्वारा कुछ सहायता प्रदान की गई, लेकिन दुर्घटना की गंभीरता की तुलना में वह पर्याप्त नहीं थी। इसके बाद उसी तेलक्षेत्र में कार्यरत असीम कछारी (Fitter) कार्य के दौरान अचानक अस्वस्थ होकर बेहोश हो गए। बाद में चिकित्सकों ने पुष्टि की कि उन्हें हृदयाघात (क्शरीीं ऑीरलज्ञ) हुआ था। लेकिन इस गंभीर स्वास्थ्य घटना के बावजूद संबंधित कर्मचारी को किसी प्रकार की औपचारिक सहायता नहीं दिए जाने का आरोप लगाया गया है।

एक ही कार्यस्थल पर कार्यरत दो श्रमिकों के साथ हुई इन घटनाओं ने श्रमिक कल्याण, सुरक्षा और आपातकालीन सहायता व्यवस्था पर कई प्रश्न खडे.कर दिए हैं। विशेष रूप से, ध्रुवज्योति हजारिका को आंशिक सहायता मिलने जबकि असीम कछारी को कोई सहायता न मिलने के आरोप ने श्रमिकों में असंतोष पैदा किया है।आरोप है कि जछत्रऋउ के स्थायी कर्मचारियों को दुर्घटना अथवा स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों में तत्काल चिकित्सा सुविधा, एम्बुलेंस सेवा, बीमा सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जबकि ठेका श्रमिकों के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एक ही कार्यस्थल पर कार्यरत होने के बावजूद दोनों वर्गों के कर्मचारियों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने से भेदभाव के आरोप और मजबूत हुए हैं।

प्रभावित परिवारों ने टिटाबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा टिटाबर उप-जिला आयुक्त को लिखित आवेदन सौंपा है। वहीं अगधउझ की बरहोला क्षेत्रीय समिति ने भी इन सभी मुद्दों को लेकर उप-जिला आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा है। श्रमिकों की सुरक्षा, उचित मजदूरी, श्रम कानूनों का कडाई से पालन, जछत्रऋउ के स्थायी एवं अस्थायी पदों पर स्थानीय बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता, तेल एवं गैस से जुडे.नए परियोजनाओं तथा विस्तार कार्यों से पूर्व अनिवार्य सार्वजनिक सुनवाई, ड्रिलिंग रिग, वर्कओवर रिग, थडड, ज।च और विभिन्न परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं की अनिवार्य नियुक्ति, भर्ती विज्ञापनों का स्थानीय समाचार पत्रों और नोटिस बोर्डों में प्रकाशन, पारदर्शी एवं दलाल-मुक्त भर्ती प्रक्रिया, प्रदूषण नियंत्रण तथा उडठ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसी मांगें पूर्व में भी प्रशासन, जछत्रऋउ तथा संबंधित संस्थाओं के समक्ष रखी जा चुकी हैं। इन मांगों के समर्थन में कई लोकतांत्रिक आंदोलन तथा त्रिपक्षीय बैठकें भी आयोजित की गई थीं, लेकिन आज तक इन समस्याओं का कोई स्थायी और प्रभावी समाधान नहीं हो पाया है। इस बीच केंद्रीय श्रम विभाग की भूमिका को लेकर भी गहरा असंतोष व्यक्त किया गया है। आरोप है कि क्षेत्र में श्रम कानूनों, सुरक्षा नियमों और कल्याणकारी प्रावधानों के उल्लंघन की शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा पर्याप्त निगरानी या कठोर कार्रवाई नहीं की गई है।AJYCP की बरहोला क्षेत्रीय समिति ने चेतावनी दी है कि यदि श्रमिकों की सुरक्षा, उचित मजदूरी, बीमा सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं और स्थानीय रोजगार से संबंधित मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन का कहना है कि श्रमिकों के जीवन और अधिकारों की कीमत पर किसी भी प्रकार की मुनाफाखोरी को बरहोला की धरती पर जारी नहीं रहने दिया जाएगा।ॉ

१७ वर्षीय छात्र के ब्लॉग से मचा सियासी भूचाल

CBSE के OSM टेंडर पर उठे सवालों ने पकड़ा राष्ट्रीय मुद्दे का रूप

नई दिल्ली.(एजें) १ जूनः केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक बहस में बदल चुका है. इस पूरे विवाद के केंद्र में झारखंड के एक १७ वर्षीय छात्र सार्थक सिद्धांत का ब्लॉग है, जिसने सीबीएसई की टेंडर प्रक्रिया और ओएसएम प्रणाली से जुडे.कई सवाल उठाकर देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. छात्र के दावों को लेकर विपक्षी दलों के कई बडे.नेताओं ने केंद्र सरकार और सीबीएसई को घेरा है, जबकि बोर्ड और संबंधित कंपनी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और नियमसम्मत बताया है.झारखंड के रहने वाले कक्षा १२वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित एक विस्तृत ब्लॉग में आरोप लगाया है कि सीबीएसई ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली के लिए टेंडर जारी करते समय नियमों और पात्रता शर्तों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए, जिनका लाभ अंततः हैदराबाद स्थित कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड को मिला. छात्र का दावा है कि उसने केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर उपलब्ध टेंडर दस्तावेजों का कई दिनों तक अध्ययन किया और तीन अलग-अलग चरणों में जारी निविदा दस्तावेजों की तुलना करने के बाद कई विसंगतियां सामने आई.सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग में लिखा कि यह केवल एक टेंडर प्रक्रिया की कहानी नहीं है, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुडा मामला है. उसका आरोप है कि सीबीएसई ने धीरे-धीरे पात्रता मानकों और तकनीकी आवश्यकताओं को इस तरह बदला कि एक विशेष कंपनी को लाभ मिल सके. उसने दावा किया कि कम से कम १५ ऐसे बिंदु हैं जो इस दिशा में संकेत करते हैं.

सार्थक का कहना है कि पहले जारी निविदा दस्तावेजों में खराब प्रदर्शन और ब्लैकलिस्टिंग से जुडे.कई प्रावधान थे, जिन्हें बाद में बदल दिया गया. उसके अनुसार पहले जहां किसी कंपनी के पूर्व में ब्लैकलिस्ट होने को अयोग्यता माना जाता था, वहीं बाद के दस्तावेजों में इसे केवल वर्तमान में ब्लैकलिस्ट होने तक सीमित कर दिया गया. छात्र ने सवाल उठाया कि यदि कोई कंपनी पहले गंभीर विवादों में रही है तो उसके लिए नियमों को नरम क्यों किया गया.उसने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी के लिए आवश्यक वार्षिक टर्नओवर की सीमा में बदलाव किए गए. उसके अनुसार ५० करोड.रुपये के टर्नओवर की शर्त ऐसी स्थिति में तय की गई जिससे चयनित कंपनी बेहद मामूली अंतर से पात्रता हासिल कर सके. ब्लॉग में यह भी दावा किया गया है कि भ्रष्ट आचरण से जुडे.कुछ प्रावधानों की समयसीमा कम कर दी गई और तकनीकी मानकों में भी ऐसे संशोधन किए गए जिनसे बडी और स्थापित कंपनियों की तुलना में चयनित कंपनी को लाभ मिला.इस ब्लॉग के सार्वजनिक होने के बाद मामला तेजी से राजनीतिक रंग लेने लगा. लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्र के ब्लॉग का उल्लेख करते हुए इसकी प्रशंसा की. राहुल गांधी ने कहा कि एक १७ वर्षीय छात्र ने ऐसे सवाल उठाए हैं जिनका जवाब सरकार और संबंधित एजेंसियों को देना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया

कि लाखों छात्रों का भविष्य ऐसी कंपनी को सौंप दिया गया, जो कथित रूप से बदले गए नियमों के कारण पात्र बन सकी. राहुल गांधी ने इस पूरे मामले की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग भी की.आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी ब्लॉग को साझा करते हुए आरोप लगाया कि नियमों में बदलाव कर एक संदिग्ध कंपनी को लाभ पहुंचाया गया. तृणमूल कांग्रेस की सांसद और वरिष्ठ पत्रकार सागरिका घोष ने भी छात्र के शोध को विस्तारपूर्ण और तथ्य आधारित बताया. सोशल मीडिया पर बडी संख्या में लोगों ने छात्र की मेहनत और तथ्यों की पडताल करने की क्षमता की सराहना की.हालांकि सीबीएसई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है. बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि पूरी खरीद प्रक्रिया निर्धारित नियमों और पारदर्शी प्रक्रियाओं के तहत संचालित की गई. सीबीएसई के अनुसार अनुबंध गुणवत्ता और लागत आधारित चयन प्रणाली के तहत उस कंपनी को दिया गया जिसने सभी आवश्यक मानदंडों को पूरा किया और वित्तीय दृष्टि से सबसे उपयुक्त बोली प्रस्तुत की.बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि टेंडर शर्तों में किए गए बदलाव किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि पूर्व की कमियों को दूर करने और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए थे. अधिकारियों के अनुसार निविदा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सुझावों और व्यावहारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संशोधन किए गए.

विवाद में घिरी कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक ने भी किसी प्रकार की अनियमितता से इनकार किया है. कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीएसएन राजू ने कहा है कि उनकी कंपनी ने सभी पात्रता शर्तों को विधिवत पूरा किया और किसी भी प्रकार का पक्षपात या नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी का नाम पहले ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज था, जिसे बाद में बदला गया, लेकिन इसमें कुछ भी छिपाने जैसा नहीं है.इस बीच सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर छात्रों और अभिभावकों की शिकायतें भी चर्चा में हैं. बोर्ड के आंकडों के अनुसार लगभग ९८ लाख उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में से ६८ हजार से अधिक कॉपियों को खराब स्कैन गुणवत्ता के कारण दोबारा स्कैन करना पडा. वहीं १३ हजार से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं की मैन्युअल जांच करनी पडी. कुछ छात्रों ने गलत उत्तर पुस्तिका मिलने और स्कैनिंग त्रुटियों की शिकायत भी की है.विवाद ऐसे समय सामने आया है जब देश की परीक्षा प्रणाली पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है. हाल के महीनों में विभिन्न राष्ट्रीय परीक्षाओं को लेकर उठे सवालों और तकनीकी गडबडियों ने छात्रों और अभिभावकों की चिंताएं बढाई हैं. ऐसे में एक स्कूली छात्र द्वारा की गई पडताल ने पूरे मुद्दे को नई दिशा दे दी है.फिलहाल सीबीएसई ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है और संबंधित मामलों की समीक्षा की जा रही है. वहीं सरकार और बोर्ड की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि यदि कहीं कोई कमी पाई जाती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. लेकिन एक १७ वर्षीय छात्र के ब्लॉग ने जिस तरह राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया है, उसने यह साबित कर दिया है कि डिजिटल युग में सूचनाओं की पडताल और जवाबदेही की मांग अब केवल बडे.संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है.

जून तुम आए हो

व्याकुल मन को बँधाते धैर्य सावन की फरियाद लिए,
जून तुम आए हो आशाओं का नव 'आनंद' राग लिए ।
बीतेगी गर्मी की तपिश और थमेंगी आग उगलती लू,
आएगा मानसून उम्मीद जगाकर ये दर्द थोडा सहलूँ,
बूझेगी प्यास मिटेगी ये तडप़ किसान करते हैं चर्चा,
परिंदा भी धीर धार करें प्रतिक्षा देखें नभ को ललचा,
बंजर पडे.खेतों में हरियाली का शुभादि वरदान लिए ।
सुख-दुख से भरा जीवन मन चाहता सदा रहना यौवन,
परिवर्तन प्रकृति का नियम दुःख छटेगा आएगा सावन,
सब कर रहे हैं इंतजार ईश्वर पर रखकर अटूट विश्वास,
रिमझिम करती बारिश की बूँदे और सुख का एहसास,
श्रमस्वेद की प्रतिध्वनि का फल संग प्राणों का गान लिए ।
चाहतों का जल सपनों के सागर से मिलने का इच्छुक,
उम्मीद उल्लास की किरणें मन को कर देती हैं भावुक,
मन में होती जब मीठी दस्तक किसी अपने के आने की,
हर दुख मिट जाता घडिय़ाँ वजह ढूँढती हैं मुस्कानें की,
मन के आँगन में इंद्रधनुषी खुशियों का आसमान लिए ।
व्याकुल मन को बँधाते धैर्य सावन की फरियाद लिए,
जून तुम आए हो आशाओं का नव 'आनंद' राग लिए ।

- मोनिका डागा ङ्कआनंद', चेन्नई
आपके स्नेह और प्यार का धन्यवाद
रचना स्वरचित और सर्वाधिकार सुरक्षित

असम-मेघालय अंतरराज्यीय सीमा विवाद शीघ्र सुलझाने पर सहमति

पंकज चौहान, खेरनी, १ जून श्र कर्बी आंगलोंग के लोगों ने असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चले आ रहे अंतरराज्यीय सीमा विवाद को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है, खासकर पश्चिम कर्बी आंगलोंग के ब्लॉक-ख एवं ब्लॉक - खख को लेकर। कुछ सामाजिक संगठनों ने मेघालय के कुछ समूहों द्वारा इन क्षेत्रों को जयंतिया हिल्स (पहाड) का हिस्सा बताने के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है और जोर देकर कहा है कि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से कर्बी साम्राज्य का हिस्सा रहे हैं।समुदाय के नेताओं के अनुसार, विवादित क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से कर्बी किंगडम (साम्राज्य) के अधीन थे, जिसकी राजधानी सोचेंग थी, जो खंदुली से मात्र १० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान कर्बी राजा अस्थायी राजधानी रोंग आराक (रोंगहांग रोंगबोंग) में निवास करते हैं, जो हैमरेन (पश्चिम कर्बी आंगलोंग जिले का मुख्यालय है) से लगभग १२ किलोमीटर दूर है।संगठनों ने १९५० के दशक की शुरुआती आधिकारिक रिकॉर्ड का हवाला दिया है। १७ नवंबर १९५१ को जब कर्बी आंगलोंग जिले (तत्कालीन मिकिर हिल्स) का गठन किया गया था, तब शिवसागर और नौगांव जिलों के कर्बी बाहुल्य क्षेत्रों तथा जोवाई सब-डिवीजन के मिकिर प्रभावित क्षेत्रों (ब्लॉक ख एवं खख) को नए जिले में शामिल किया गया था। यह असम सरकार की अधिसूचना संख्या TAD/R/31/50 दिनांक ३ अक्टूबर १९५० के तहत किया गया था, जिसे असम के तत्कालीन गवर्नर ने मंजूरी दी थी।समुदाय ने मेघालय सरकार से अपील की है कि वह इस अधिसूचना का सम्मान करे और ऐतिहासिक तथा प्रशासनिक सीमाओं का आदर करे।पिछले साल तपात गांव में एक दुखद घटना घटी थी, जिसमें एक गरीब कर्बी किसान ओरिवेल टिमुंग की मौत हो गई थी। यह घटना नियमित धान कटाई के दौरान हुई थी। तपात पुलिस स्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय किसानों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प़ में गोली लगने से टिमुंग की मौत हो गई। इस घटना ने भूमि और संसाधनों को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद को उजागर किया था।पिछले महीने एक बार फिर तपात गांव में तनाव बढ.गया जब कुछ खासी लोगों ने असम क्षेत्र में धान की रोपाई के लिए प्रवेश करने का प्रयास किया, जिससे अंतरराज्यीय सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।एक सकारात्मक विकास में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. सांगमा ने शुक्रवार को मुलाकात की और अंतरराज्यीय सीमा विवाद को तेजी से सुलझाने का फैसला किया। सांगमा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दोनों राज्यों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों मुख्यमंत्रियों ने सीमा चिह्नीकरण प्रक्रिया को तेज करने और स्थायी समाधान निकालने पर सहमति जताई।कर्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (काक) के मुख्य कार्यकारी सदस्य तथा नवनिर्वाचित विधायक डॉ. तुलीराम रोंगहांग, सांसद अमरसिंग टिसो और चार अन्य नवनिर्वाचित विधायकों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का तपात क्षेत्र में १ जून (सोमवार) को दौरा करने का कार्यक्रम था, लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, यह दौरा शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा। सीमा विवाद अभी भी कर्बी आंगलोंग की मूल निवासी कर्बी जनता के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। वे ऐतिहासिक तथ्यों और प्रशासनिक रिकॉर्ड के आधार पर शीघ्र और न्यायपूर्ण समाधान की मांग कर रहे हैं।

लगातार चोरी की घटनाओं से त्रस्त पांचग्राम के लोग अवैध शराब की दुकानों और जुए के अड्डों को बंद करने की मांग

प्रीतम दास हाइलाकांदी, १ जून :हाइलाकांदी जिले के पांचग्राम थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आम लोगों में गहरी चिंता भय और आक्रोश का माहौल पैदा हो गया है। लंबे समय से जारी इन आपराधिक गतिविधियों के विरोध में सोमवार को विभिन्न गांवों के हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर पांचग्राम थाने में सामूहिक शिकायत दर्ज कराई। क्षेत्र में बढती चोरी अवैध शराब के कारोबार तथा जुए के अड्डों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग को लेकर लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से पांचग्राम थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। चोर गिरोह आवासीय मकानों व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा पार्किंग में खडे.वाहनों को निशाना बना रहे हैं। इसके कारण लोगों में असुरक्षा की भावना बढ.गई है। कई परिवारों की रातों की नींद उड.चुकी है और ग्रामीणों को स्वयं रातभर जागकर पहरा देने के लिए मजबूर होना पड.रहा है।थाने पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि चोर गिरोह के सदस्य सुनियोजित तरीके से अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। अब तक कई मोटरसाइकिलें कीमती सामान तथा नकदी चोरी हो चुकी है। लोगों ने इन मामलों की शीघ्र जांच कर चोरी गए वाहनों और सामानों की बरामदगी तथा दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।शिकायतकर्ताओं ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के बाइपास मार्ग के आसपास कई स्थानों पर अवैध रूप से शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। इन स्थानों पर प्रतिदिन शाम से देर रात तक नशा करने वालों और जुआरियों की भीड. लगी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन्हीं अवैध अड्डों के आसपास विभिन्न प्रकार की असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां पनप रही हैं। शराब के नशे में उपद्रव, मारपीट, चोरी तथा अन्य अपराधों की घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि अवैध शराब की दुकानों और जुए के अड्डों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाया जाए तो अपराध की घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने पांचग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस की रात्रिकालीन गश्त बढा.ने, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने तथा संदिग्ध अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की।स्थानीय लोगों ने कहा हम चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहे। आम नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर सकें इसके लिए पुलिस प्रशासन को और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। चोरी, नशाखोरी और जुए जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।इस बीच पांचग्राम थाना प्रशासन की ओर से लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। हालांकि पुलिस के इस आश्वासन से लोगों में कुछ उम्मीद जगी है लेकिन वे शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की शांति सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों का एकजुट होकर थाने का रुख करना जागरूक समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि सामाजिक समस्याओं के विरुद्ध सभी समुदायों की सामूहिक भागीदारी ही अपराधमुक्त और सुरक्षित समाज के निर्माण का आधार बन सकती है।वर्तमान में पांचग्राम के लोगों की एक ही अपेक्षा है कि प्रशासन शीघ्र कदम उठाकर चोरी की घटनाओं पर रोक लगाए अवैध शराब के कारोबार और जुए के अड्डों को बंद करे तथा क्षेत्र में सामान्य कानून व्यवस्था बहाल करे।

हाइलाकांदी में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ, टिकाऊ कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण पर जोर

प्रीतम दास हाइलाकांदी, १ जून : किसानों के बीच टिकाऊ कृषि प्रणाली, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के प्रति जागरूकता बढा.ने के उद्देश्य से हाइलाकांदी जिले में 'खेत बचाओ अभियान' का औपचारिक शुभारंभ किया गया। सोमवार को जिला कृषि विभाग तथा आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), हाइलाकांदी के संयुक्त तत्वावधान में इस माहव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह अभियान आगामी ३० जून तक जिले के विभिन्न गांवों एवं कृषि क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा।भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की देशव्यापी पहल के अंतर्गत आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग से मृदा उर्वरता में हो रही कमी, कृषि उत्पादन लागत में वृद्धि तथा पर्यावरणीय क्षति के प्रति किसानों को जागरूक करना है। साथ ही वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना भी इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।उद्घाटन समारोह में डॉ. सौरभ शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आईसीएआर केवीके, हाइलाकांदी कृषि विकास अधिकारी राजीबुल हक मोल्ला; नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आयुष्मान यश; जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. जयंत तालुकदार; लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विभाष रंजन दास तथा एएसआरएलएम के ब्लॉक परियोजना प्रबंधक राजीव सोरेन उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग के विभिन्न अधिकारी, किसान मित्र तथा बडी संख्या में किसान भी कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम में वक्ताओं ने मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक उपयोग, हरित खाद के प्रयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढा.वा देने, गोबर खाद तथा जैविक कीटनाशकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी के प्राकृतिक गुण प्रभावित हो रहे हैं जिसका प्रतिकूल प्रभाव कृषि उत्पादन एवं पर्यावरण दोनों पर पड.रहा है। इसलिए समेकित पोषक तत्व प्रबंधन तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियां वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता हैं।इसके अलावा किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि ऋण सुविधाएं, पशुपालन विकास कार्यक्रम तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वरोजगार के अवसरों सहित किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण से जुडे. विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि कार्यालय के सहायक कृषि निरीक्षक फैजुल हुसैन ने किया।आयोजकों ने बताया कि जून माह के दौरान जिले के विभिन्न गांवों में किसान जागरूकता शिविर, खेत प्रदर्शनियां, किसान वैज्ञानिक संवाद तथा प्रचार-प्रसार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचकर जलवायु अनुकूल, लाभकारी एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली को लोकप्रिय बनाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।छताछ और लगातार जांच के दौरान दोनों आरोपितों ने उक्त चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। साथ ही उन्होंने गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में हुई कई अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल होने की बात कबूल की है।पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ज्यादा से ज्यादा योगदान

यदि आप कस्टमर सर्विस में हैं और किसी को आपकी मदद की जरूरत है तो मात्र 'आप इस नंबर पर मिला लें', ऐसा न कहें। यदि संभव है तो उनको यह काम आप करके दें। अच्छी सेवाओं की उपभोक्ता प्रशंसा करते हैं। जब बॉस के सामने कोई ग्राहक कंपनी द्वारा दी जा रही अच्छी सेवाओं के माध्यम से आपकी तारीफ करता है, यह आपके लिए मायने रखता है।

आप वर्किंग वुमन हैं, आप अपना काम अच्छी तरह से पूरा करते हैं तो आपकी पहचान ऐसे कर्मचारी के रूप में है, जो उस कार्य विशेष को अच्छी तरह करना जानती हैं। लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिनकी जिम्मेदारी आप को समझनी चाहिए।

आगे बढ़ने के लिए ये भी जरूरी

अधिकतर कर्मचारी यह नहीं समझते कि जिस कंपनी में वे नौकरी कर रहे हैं, उसका हिस्सा मानते हुए उसे आगे ले जाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। यहां कुछ ऐसे ही कामों की सूची दी जा रही है, जो आपके जॉब प्रोफाइल में शामिल नहीं होते, पर यदि आप उन्हें करती हैं तो आपको आगे बढ़ने के लिए अवसर मिलते रहेंगे। क्योंकि बात जब प्रमोशन की आती है तो प्रबंधकीय टीम की नजर ऐसे लीडर्स पर होती है, जो उस कंपनी विशेष के साथ खुद को जोड़ कर देखते हैं।

समस्याओं का अनुमान

भविष्य में आ सकने वाली समस्याओं का अनुमान लगाएं। अपने पास उनके समाधान तैयार रखें। घटनाएं होने का इंतजार न करें, अपने स्तर पर सक्रिय बनें। हम सबके पास ऐसे पल होते हैं, जब लगता है कि उस कार्य को हम और बेहतर कर सकते थे। जब भी ऐसे क्षण आएं तो पूरी योजना के साथ आगे आएं और उस काम को कर लें।

आपके विचार और सुझाव

काम के दौरान यदि आपको लगता है कि किसी काम को अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है तो उस संबंध में अपना सुझाव दें। यदि आपका मैनेजर उसमें बाधा पहुंचा रहा है तो जहां भी आप अपने सुझाव दे सकती हैं, अवश्य दें।

दूसरी गतिविधियों से जुड़ें

एक कंपनी में कई तरह की गतिविधियां होती हैं। मसलन, आप डाइवर्सिटी कमेटी की सदस्य बन सकती हैं। ऐसे कामों से खुद को जोड़ सकती हैं, जहां लगता है कि आप बेहतर योगदान दे सकती हैं। यदि आपको कंपनी एचआर की ओर से किसी काम में वॉलंटियर बनने का ई-मेल मिलता है और आप वह काम कर सकती हैं तो अवश्य करें। कंपनी यदि किसी नए काम या प्रयास की जानकारी दे रही है तो उस बारे में सकारात्मक टिप्पणी भेजें, योगदान देने की अपनी मंशा को भी व्यक्त करें। मैनेजमेंट को यह बात पसंद आती है।

कहे जाने का इंतजार न करें

आपको लगता है कि कोई कार्य किया जाना है, जिसे कोई कर नहीं रहा है तो उसे करें। यहां तक कि लंच के बाद उस जगह को पुनर्व्यवस्थित करना या पार्टी आदि के किसी आयोजनों में मदद करने से पीछे न हटें। बहुत कम लोग होते हैं जो बिना कहे, काम किए जाने की जरूरत समझते हैं।

लीडरशिप डेवलप करें

प्रत्येक टीम या प्रोजेक्ट का एक लीडर होता है तो वह आप क्यों नहीं हो सकते? यदि आप लीडर नहीं भी हैं तो भी अधिकतम योगदान दें। अपना सुझाव दें। यदि कोई काम गैर उपयोगी लगता है तो अपना मत पूरे शिष्टाचार के साथ व्यक्त करें।

कंपनी के बारे में बुराई से बचें

किसी बात पर यदि सहमत नहीं है तो प्रश्न पूछें। पर इधर-उधर कंपनी के बारे में बुरा बोलना या फिर काम या बॉस के संबंध में अपशब्द कहना सही नहीं है। ऐसा करने से आपको कंपनी में और उच्च स्तर पर काम करने का अवसर नहीं मिलेगा। जब भी आप काम पर हों तो कंपनी के कामों में सुधार करने की दिशा में अपना योगदान दें।

मीटिंग्स में चुप न रहें

मीटिंग में कुछ लोग बिल्कुल चुप रहते हैं, हमेशा ये रवैया सही नहीं होता। किसी भी कर्मचारी के लिए जरूरी है कि वह जिस तरह और जितना अधिक कामों में अपना योगदान दे सकता है, अवश्य दे। खासतौर पर महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स या उच्च स्तरीय कार्यों की बात हो तो उनमें अवश्य भाग लें। याद रखें, काम करने वालों को हमेशा नोटिस किया जाता है।

डेस्क प्लांट बढ़ाए टेबल की ब्यूटी

मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पौधे हमें काफी फायदा पहुंचाते है। और यदि ये घर में लगाए जाए तो घर की रौनक और अधिक बढ़ा देते है। आपको भी गार्डनिंग का काफी शौक है लेकिन समय की वजह से आप अपना शौक पूरा नहीं कर पा रही है तो निराश न हो क्योंकि आप ये शौक डेस्क प्लांट के जरिए कर सकती हैं। ऑफिस डेस्क पर ये प्लांटस काफी सुंदर लगते है आइए जाने प्लांटस के बारे में-

पौधे का चयन करते वक्त

एक्सपर्ट के अनुसार ऑफिस डेस्क पर रखा हुआ पौधा हमारे मन को खुशहाल बनाए रखता है। डेस्क के लिए पौधा चुनते समय इन बातों का ध्यान रखें-

- डेस्क के लिए ऐसा पौधा चुनें, जिसकी पतियां स्मूद यानी चिकनी हो। इससे ऑफिस के लोगों के साथ आपके रिलेशन में सुधार आएगा।
- जहां तक संभव हो हरी पतियों वाला पौधा ही डेस्क पर रखें, क्योंकि हरा रंग स्नेह और खुशहाली का प्रतीक है।
- चाहें तो छोटे-छोटे फूलों वाला पौधा भी रख सकती है। इससे आपका स्ट्रेस लेवल कम होगा और मैरिड लाइफ में रोमांस बढ़ेगा।
- डेस्क पर रखे हुए पौधे की हरियाली मन को शांत और कलीग्स के साथ रिश्तों को तनावमुक्त रखती है।

हवा और ध्वनि की शुद्धता

ये तो हम सभी जानते हैं कि पौधे कार्बन डाई ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। ऐसे में डेस्क गार्डनिंग न सिर्फ आपके गार्डनिंग के शौक को पूरा करता है, बल्कि

ऑफिस के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। शोध बताते है कि इनडोर प्लांटस ध्वनि को एब्जॉर्ब करते हैं। अतः डेस्क पर रखे प्लांट्स से भी ध्वनि का स्तर कम हो जाता है और हम ध्वनि प्रदूषण से बचते हैं। ऑफिस में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, जैसे कंप्यूटर, प्रिंटर, फैक्स, स्कैनर आदि से निकलने वाली विशैली गैसों को अवशोशित करता है। इन गैसों की वजह से सिरदर्द या आंखों में जलन आदि की समस्या हो सकती है।

सभी से बातें होती हैं, हंसी-मजाक होता है। लेकिन उनमें से कुछेक से आप और भी ज्यादा करीब होती हैं। यही वह दोस्त है, जो 'सहेली' बन जाती है।

कुछ खास है सहेली का दर्जा

महिलाओं के लिए एक सहेली का दर्जा कुछ खास होता है। जिंदगी में एक सहेली की जरूरत इसलिए बहुत ज्यादा होती है क्योंकि दो सहेलियों में सबसे पहले औरत होने का रिश्ता बन जाता है। इस रिश्ते के दर्द और खुशियां सब लगभग एक समान होते हैं। एक सहेली आपकी परछाई होती है। एक एक्टर का एक इंटरव्यू था। उसका कहना था कि एक महिला का किरदार निभाने के लिए उसे साड़ी पहननी पड़ी और तब उसे अहसास हुआ कि महिलाओं को इस वेश के साथ दैनिक कर्मों में कितनी दिक्कत होती है। ऐसी अंडरस्टैंडिंग एक पुरुष मित्र के बजाय एक सहेली से अपने आप ही बन जाती है।

मतलब आपकी भावनाओं को एक महिला ज्यादा बेहतर समझ सकती है। वैसे एक दोस्त की जरूरत हमारे मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर समायोजन के लिए बहुत जरूरी है। दोस्ती में जज किए जाने, धोखा दिए जाने का डर नहीं होता। दोस्त के सामने बिना किसी आडंबर के व्यवहार कर सकते हैं। हमारे व्यक्तित्व को विकास, मनोरंजन और मानसिक चुनौतियों की जरूरत होती है। एक ही व्यक्ति से ये सभी पूरी हों, संभव नहीं। इसीलिए हम कई दोस्त बनाकर उनसे खुद को संपूर्ण बनाते हैं। हम एक बड़ा ग्रुप बना लेते हैं। इससे हमें सुविधा भी होती है।

सफाई के साथ सजावट द्वारा ही घर के वातावरण में मधुरता घोली जा सकती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आपका घर बहुत बड़ा ही हो। छोटे घर को भी अपने रचनात्मक कौशल से आकर्षक बनाया जा सकता है।

आपकी पहचान है आपका घर

कहा जाता है कि साफ सुथरे और सजे संवरे मकानों के लिए आर्थिक स्थिति भी उसी स्तर की होनी चाहिए परन्तु गहराई से विचार करने पर यह बात बड़ी आसानी से समझी जा सकती है कि सस्ते और कच्चे मकानों में बिना कुछ खर्च किये सफाई रखी जा सकती है तथा रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं को यथा स्थान ढंग से रखकर घर को सुरुचिपूर्ण रखा जा सकता है। बड़े और महंगे मकानों में भी सफाई का ध्यान न रखा जाए और वस्तुओं को ठीक तरीके से रखने की बात न सोची जाए तो इस कारण वहां जो फूहड़ता और बेढंगेपन का नजारा होता है, वह कीमती सामानों को भी कूड़े-करकट की श्रेणी में ला खड़ा कर देती है।

दो स्थानों का रखें विशेष ख्याल

घर में दो स्थानों पर ज्यादा गंदगी होती है—जिनका उपयोग परिवार का प्रत्येक सदस्य कम से कम दो बार तो करता ही है। रसोई और स्नानागार में इसलिए भी अधिक गंदगी होती है कि वहां पर उपयोग के साथ-साथ बिखराव भी होता है। रसोई में काम करने और भोजन करने के बाद तुरंत सफाई कर लेना चाहिए और उपयोग में आने वाली वस्तुओं-बर्तनों को भी तुरंत साफ कर यथास्थान रख देना चाहिए।

वस्तुओं की सफाई का क्रम

घर में ऐसी बहुत-सी चीजें रहती हैं जिनकी रोज-रोज सफाई करने की बारी नहीं आती। दीवारें, छत आदि में थोड़े दिनों के बाद जाले पड़ते हैं और धूल जम जाती है। सप्ताह में एक दिन पूरे घर की अच्छी तरह सफाई की जा सकती है। मेज, कुर्सी, पलंग, फर्नीचर आदि का झाड़ पोंछ तो रोज ही हो जाती है पर उनकी टूट-फूअ साज संभाल के लिए भी महीने में कम से कम एक दिन नियत रखा जा सकता है। कालीन, दरी, फर्श और चटाइयों जैसी वस्तुओं के लिए साज संभाल का क्रम बना लें।

बजट का भी रखें ख्याल

स्वच्छता की ही तरह सजावट के लिए भी न तो बजट में अतिरिक्त व्यवस्था रखने की आवश्यकता पड़ती है और न ही बहुमूल्य सामग्री की। थोड़ा बहुत फर्नीचर और तस्वीरें तो प्रायः सभी घरों में मिलती हैं। यदि उन्हें उपयुक्त स्थान पर रखने और समुचित क्रम से सजाने भर का ध्यान रखा जाए तो कम वस्तुएं भी मनुष्य के कलात्मक दृष्टिकोण को उजागर कर देती है।

हरियाली की उपयोगिता

घर में हरियाली आनंदपूर्ण वातावरण बनाती है। जिन घरों में उद्यान लगाने की जगह न हो, वहां तार के छींकों पर लटकने वाले डिब्बे तैयार कर उनमें मिट्टी आदि डालकर उनमें पौधे लगाकर घर के बाहर रख दें। यहां यह ध्यान रखना होगा कि आपके पास जो भी बचा हुआ समय है उसका उपयोग थोड़ी सूझबूझ से किया जाए तो उपलब्ध साधनों से ही घर को स्वच्छ, सुन्दर और सुसज्जित बनाया जा सकता है। समय का उपयोग करने के साथ सूझ-बूझ इसलिए आवश्यक है कि स्वच्छता और गृहसज्जा एक कला है।

जरा प्यार से परोसिए

भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। उसके सत्कार को बड़ा महत्वपूर्ण माना गया है। उसके आदर-सत्कार में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए गृहिणी जी-जान से एक से एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाने का प्रयास करती है।

- खाने की मेज साफ-सुथरी होनी चाहिए। सारा सामान करीने से रखा होना चाहिए।
- टेबल पर साफ-सुथरे मैट बिछे होने चाहिए। मैट पर दाईं ओर बड़ी प्लेट और बायीं ओर छोटी प्लेट रखी होनी चाहिए।
- बीचो-बीच कांच के गिलास में या स्टैंड में पेपर नैपकीन रख दें।
- टेबल के बीच में लंबा मैट बिछाकर उस पर सब्जी के डोंगे, रायता, सलाद, अचार, चटनी वगैरहा रखें।
- ग्रेवी वाली सब्जी के लिए कटोरियां जरूर रखें।
- भोजन सामग्री ढक कर रखें ताकि जल्दी ठंडी न हो।
- बड़े ही प्रसन्न चित्त से मेहमानों से भोजन करने का आग्रह करें।
- बीच-बीच में ध्यान रखें कि डोंगे में कोई सब्जी या अन्य भोज्य सामग्री खत्म तो नहीं हो गयी है। ऐसा होने पर उसे फौरन भर दें।
- आखिर में स्वीट डिश सर्व करें और उसे केसर, काजू, पिस्ता से सजाना न भूलें।
- खाना खा चुकने के बाद तहे-दिल से मेहमानों का शुक्रिया अदा करें और उन्हें कहें कि उनका सत्कार कर वे धन्य हो गए।

आजकल मॉड्यूलर किचन बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। मॉड्यूलर किचन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह इस प्रकार से डिजाइन किया जाता है कि छोटी जगहों में करीने से एवं अधिक से अधिक सामान रखा जा सके।

मॉड्यूलर किचन का बढ़ता चलन

हर गृहणी की पहली इच्छा होती है उसके घर का किचन उसकी इच्छा के अनुरूप सुव्यवस्थित तरीके से बनाया जाए। किचन कई तरह से बनाए जाते हैं। इन्हीं में से एक बहुप्रचलित है 'माड्यूलर किचन'। इसकी प्रमुख विशेषताएं ये हैं कि यह आकर्षक, सुसज्जित एवं साफ-सुथरा दिखता है।

ज्यादा तोड़-फोड़ की जरूरत नहीं

इस तरह का किचन बनवाने के लिए घर में तोड़-फोड़ की जरूरत नहीं पड़ती। इस तरह का किचन 800 रुपए प्रतिवर्ग फुट के हिसाब से बनता है। अलग-अलग यूनिट के उपकरण लगाए जाते हैं। जिस दिन रसोईघर बनकर तैयार होता है, उसी दिन से खाना पकाने का काम शुरू किया जा सकता है। किचन बनवाने से पहले निम्न बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए-

- किचन निर्माण में जो भी सामान इस्तेमाल किया गया है, वह पानी और आग-रोधक हो।
- जो भी हार्डवेयर्स इस्तेमाल में लाएं जैसे हैंडल, ड्रायर स्लाइड्स इत्यादि सभी अच्छी क्वालिटी के हों।
- रसोईघर में सामान रखने के लिए भरपूर स्टोरेज स्पेस हो।
- रखरखाव आसान हो। बेस यूनिट बाहर निकलने वाली या ट्रॉलीनुमा हो, जिससे उनकी सफाई आसानी से की जा सके।
- किचन का स्लैब या प्लेटफार्म आपकी लंबाई के अनुसार हो, न अधिक ऊंचा और न अधिक नीचा। दोनों ही स्थिति में थकावट अधिक होगी।
- डिश वॉशर के नीचे एक प्लेटफार्म बनाएं, जिससे वह लगभग 6 इंच ऊंचा हो जाए। इससे बर्तन धोते समय कमर पर जोर नहीं पड़ेगा।
- किचन में फ्रिज, कुकिंग रेंज और सिंक पास ही हों। ये तीनों ही अत्यधिक प्रयोग में आने वाले आइटम हैं। यदि इनके बीच दूरी अधिक होगी तो आप अनावश्यक रूप से थकेंगी।

नाप के अनुसार होता है डिजाइन

रसोईघर के नाप के अनुसार और ग्राहक की जरूरत के अनुसार मॉड्यूलर किचन बनाए जाते हैं, जो कि लेमिनेटेड पार्टीकल बोर्ड से बने होते हैं। ये मजबूत और टिकाऊ तो होते ही हैं, साथ ही इनमें सफाई भी आसानी से होती है और दीमक व कॉकरोच की समस्या भी नहीं होती। इसमें बर्तन के लिए निश्चित जगह होती है, जैसे भारी बर्तन के लिए रोलिंग स्टैंड, हल्के बर्तन के लिए अलग स्टैंड, सिंक यूनिट, बड़े डिब्बों के लिए बड़ी और छोटे डिब्बों के लिए कम जगह वाली यूनिट।

पहली बार

निक्की तंबोली

ने दिखाया इतना हॉट लुक, पार की बोल्डनेस की सारी हदें

बिग बॉस सीजन 14 में नजर आई साउथ एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी एक्टिंग के अलावा बोल्ड लुक्स के लिए भी खूब जानी जाती हैं एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज से इंटरनेट का पारा बढ़ाती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है।

बिकिनी में छाईं निक्की तंबोली

निक्की तंबोली ने 29 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह क्रॉप टॉप और ब्रीफ पहने जमीन पर लेटी नजर आ रही हैं। इस फोटोशूट में एक्ट्रेस अपना टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। हर तस्वीर में निक्की की कातिल अदाएं फैंस की दिलों की धड़कनें बढ़ा रही हैं। वह इस अवतार में हॉट लग रही हैं। इन फोटोज के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, क्या मैं तुम्हारे सपनों में ऐसे ही आ गई? सॉरी नॉट सॉरी।

फैंस कर रहे हैं कमेंट्स

निक्की तंबोली की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फिटनेस क्वीन। दूसरे यूजर ने लिखा, हॉटनेस चरम पर है। तीसरे यूजर ने लिखा, कोई तो रोक लो हाय गर्मी। एक अन्य यूजर ने लिखा, बहुत खूबसूरत और हॉट लग रही हैं।

निक्की तंबोली का करियर

निक्की तंबोली ने तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम किया हैं। बता दें कि निक्की तंबोली ने साल 2019 के दौरान चिकती गदिलो चिताकोटुडुफिल्म से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया था। इसके बाद वह तिप्पारा मीसमऔर कंचना 3 आदि फिल्मों में नजर आईं, लेकिन उन्हें असल पहचान शो बिग बॉस 14%से मिली। आखिरी बार उन्हें खतरों के खिलाड़ी 11 में नजर आईं थी।

Ankita Lokhande ने बताया बिग बॉस के बाद कैसे किया ससुरालवालों से डील, विक्की जैन के OTT में जाने पर तोड़ी चुप्पी

अंकिता लोखंडे ने बिग बॉस 17 के घर में खूब लाइमलाइट बटोरी। एक्ट्रेस के साथ सलमान खान के शो में उनके पति विक्की जैन भी शामिल हुए थे। हालांकि, शो में एक्ट्रेस से ज्यादा उनके पति ने चर्चा बटोरी। वहीं, बिग बॉस 17 खत्म होने के बाद ये भी सुनने को मिला कि विक्की जैन अब शो के ओटीटी वर्जन में भी नजर आएंगे।अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए।

अंकिता- विक्की की लड़ाइयां

बिग बॉस 17 के घर में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के बीच खूब झगड़े हुए थे, जो एक्ट्रेस के ससुराल वालों को बिल्कुल पसंद नहीं आया था। शो के एक एपिसोड में अंकिता ने विक्की को मजाक में चप्पल मार दी थी, इस बात पर उनके ससुराल वाले बेहद खफा हुए थे। एक्ट्रेस ने कहा था कि उनके ससुराल वाले बिलासपुर के रहने वाले हैं। उनके यहां का कल्चर काफी अलग है।

ससुराल वालों से कैसे किया डील ?

विक्की और अंकिता मामला बढ़ने के बाद शो में अक्सर ये डिस्कस करते हुए नजर आए थे कि शो के बाद वो परिवार से बात करेंगे। विक्की और अंकिता ने भारती के शो में परिवार वालों को लेकर बताया कि बिग बॉस 17 खत्म होने के बाद किसी ने इस बारे में बात ही नहीं की। एक्ट्रेस ने कहा कि जब हम मिले, तो मैंने पैर छुए और सब नॉर्मल हो गया।

आयशा खान

ने जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर की थी अपनी शुरुआत, इस पॉपुलर शो में था इतना सा किरदार

सलमान खान के विवादित शो बिग बॉस 17 (Bigg Boss 17) ने आयशा खान की किस्मत के दरवाजे खोल दिए हैं। रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री बनकर आईं आयशा खान ने एक्स ब्वॉयफ्रेंड मुनव्वर फारूकी पर डबल डेटिंग और चीटिंग जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे।शो खत्म होने के बाद वह भले ही सोशल मीडिया यूजर्स की पसंदीदा बनी हो या ना बनी हों, लेकिन निर्देशक-निर्माताओं की लिस्ट में उनका नाम जरूर शामिल हो चुका है। आयशा खान जल्द ही दुलकर सलमान के अपोजिट तेलुगु फिल्म में नजर आने वाली हैं।बिग बॉस 17 में उन्हें भले ही लाइमलाइट मुनव्वर फारूकी के नाम से मिली हो, लेकिन इंडस्ट्री में कदम जमाने के लिए उन्होंने खासा मेहनत की है। आयशा खान ने अपने करियर की शुरुआत में जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर भी काम किया है।

एकता कपूर के शो में आयशा खान का था छोटा सा किरदार

आयशा खान का संघर्ष कम नहीं रहा है। उन्होंने साल 2022 में सिल्वर स्क्रीन पर अपना डेब्यू किया था, लेकिन उससे पहले इंटरनेट सेंसेशन और एक्ट्रेस आयशा खान ने टीवी पर काफी धक्के खाए हैं। मुनव्वर फारूकी की एक्स गर्लफ्रेंड आयशा खान ने अपने करियर की शुरुआत एकता कपूर के पॉपुलर शो कसौटी जिंदगी की 2 से की थी। अन्य जूनियर आर्टिस्ट की तरह ही उनकी भी इस शो में एक छोटी सी भूमिका थी। पार्थ समथान और एरिका फर्नांडिस स्टारर इस शो में उन्होंने एक सैलून स्टाफ का किरदार निभाया था। इसके बाद साल 2020 में उन्हें सब टीवी के शो बालवीर रिटर्न्स में भी मौका मिला था, जिसमें उन्होंने बीरबा का किरदार अदा किया था।

अरे यार मैं जिंदा हूंज्जा नें पंचायत 2 एक्ट्रेस को क्यों देनी पड़ी सोशल मीडिया पर सफाई

'पंचायत 2' एक्ट्रेस आंचल तिवारी की मौत की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बिहार में हुई सड़क दुर्घटना में आंचल का निधन हो गया है. लेकिन पूनम पांडे की तरह आंचल ने भी अचानक सोशल मीडिया पर आकर ये कह दिया है कि अरे यार मैं जिंदा हूं. हालांकि ये मामला बिल्कुल अलग है. पूनम की तरह आंचल ने जानबूझकर अपनी मौत की खबर वायरल नहीं की. तो आइये समझ लेते हैं कि आखिरकार ये क्या मामला है और क्यों पंचायत 2 की एक्ट्रेस को खुद सोशल मीडिया पर आकर ये सफाई देनी पड़ी.दरअसल एक्ट्रेस आंचल तिवारी की मौत जरूर हुई है, लेकिन ये आंचल तिवारी 'पंचायत 2' की एक्ट्रेस नहीं हैं. रविवार 25 फरवरी 2024 को बिहार के कैमूर में सड़क हादसे में भोजपुरी सिनेमा के चार कलाकारों की मौत हो गई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक भोजपुरी सिंगर छोटू पांडे अपनी टीम के साथ एक कार्यक्रम के लिए यूपी की ओर जा रहे थे. और एक बाइक सवार को बचाते हुए उनकी गाड़ी रास्ते में ही पलट गई. पीछे से आने वाली ट्रक के लिए अचानक ब्रेक लगाना मुश्किल हो गया और वो गाड़ी के साथ साथ बाइक को भी रौंद के आगे चली गई. इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई. जिसमें भोजपुरी एक्टर सत्यप्रकाश मिश्रा, सिंगर छोटू पांडे, एक्ट्रेस आंचल तिवारी और सिमरन श्रीवास्तव का नाम शामिल है.

नाम की वजह से हुआ कन्फ्यूजन

एक्ट्रेस आंचल तिवारी का नाम सुनते ही सभी ने ये अंदाजा लगा लिया कि पंचायत एक्ट्रेस की मौत हो गई है. नाम एक जैसा होने की वजह से सभी को इस कन्फ्यूजन का सामना करना पड़ा. हालांकि इस पूरे मामले को लेकर पंचायत 2 फेम आंचल तिवारी काफी नाराज हैं और उनका मानना है कि बिना वेरिफिकेशन उनकी फोटो का इस्तेमाल करना गलत है.

जो 17 साल पहले हुआ था, वो फिर होने वाला है! इस बार अक्षय-आमिर की टक्कर में कौन मारेगा बाजी?

आमिर खान इन दिनों 'लापता लेडीज' को लेकर चर्चा में हैं. पिक्चर को लेकर वो अक्सर अपनी एक्स वाइफ किरण राव के साथ प्रमोशंस पर नजर आ रहे हैं. वहीं दोनों ने अपनी निजी जिंदगी और अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर कई दिलचस्प किस्से सुनाए हैं. खैर, आमिर खान के खाते में इस वक्त दो बड़ी फिल्में हैं. पहली- सितारे जमीन पर. इससे वो डेढ़ साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने को तैयार हैं. तो दूसरी है- लाहौर 1947. इस पिक्चर को वो प्रोड्यूस कर रहे हैं. 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप होने के बाद आमिर खान ब्रेक पर चले गए थे. लेकिन वो जल्द वापसी करने वाले हैं. दरअसल पहले भी उन्होंने बताया था कि, पिक्चर के प्री-प्रोडक्शन पर काफी वक्त लग चुका है. ऐसे में फिल्म को जल्द से जल्द रिलीज कर दिया जाएगा.'सितारे जमीन पर' की शूटिंग फरवरी में ही शुरू हुई है. 'लापता लेडीज' के प्रमोशन के साथ-साथ वो अपनी फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं. अब मेकर्स और आमिर खान ने इसे क्रिसमस पर रिलीज करने का फैसला लिया है. लेकिन क्रिसमस पर अक्षय कुमार की 250 करोड़ के बजट वाली फिल्म भी आने वाली है. ऐसे में दोनों पिक्चरों का बॉक्स ऑफिस क्लैश होना तय है.

आमिर खान और अक्षय कुमार का होगा क्लैश!

'सितारे जमीन पर' में आमिर खान के अपोजिट जेनेलिया देशमुख नजर आने वाली हैं. दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे. कुछ वक्त पहले ही आमिर खान ने अपनी अपकमिंग पिक्चर के बारे में बहुत कुछ बता दिया था. ये फिल्म उनकी 'तारे जमीन पर' का अगला पार्ट है. लेकिन कहानी और कास्ट को पूरी तरह से बदल दिया गया है. जहां पहला पार्ट एक इमोशनल कहानी पर था. तो वहीं दूसरा पार्ट यानी 'सितारे जमीन पर' का एंगल बदल दिया गया है. जिसमें इमोशंस से ज्यादा कॉमेडी होगी.

आमिर खान ने बता दिया है कि, ये फिल्म क्रिसमस पर आएगी. हालांकि, तभी अक्षय कुमार की कॉमेडी फ्रेंचाइज फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' भी रिलीज होनी है. जो डेट अबतक पता लगी है उसके मुताबिक, ये 20 दिसंबर, 2024 को आएगी. ऐसे में क्रिसमस पर ये बड़ा क्लैश देखने को मिल सकता है.हालांकि, ये मुकाबला साल 2007 में पहले भी हो चुका है. जब आमिर खान की 'तारे जमीन पर' और अक्षय कुमार की 'वेलकम' साथ में रिलीज हुई थी. दोनों फिल्मों को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. इस बार भी वही फिल्में हैं. बस अक्षय की फिल्म का तीसरा पार्ट है. वहीं, आमिर खान की पिक्चर का दूसरा पार्ट. हालांकि, क्लैश होगा या नहीं ये तो ऑफिशियल रिलीज डेट आने के बाद पता लगेगा.

चमकदार त्वचा : केले के उपयोग से त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है। केले में विटामिन 'सी', 'ए', पोटाशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और कार्बोहाइड्रेट्स भरपूर मात्रा में मिलते हैं।ऐसे में इसे खाना और स्किन पर लगाना दोनों ही फायदेमंद होता है।

केला कैलोरियों का भंडार

- केले में 105 कैलोरी पाई जाती हैं जो शरीर को किसी भी प्रकार की कमजोरी से बचाती है
- यह आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है, यह आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता है, आपको दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचाता है
- केला खाने से अच्छी नींद आती है, नींद लाने के लिए रोज एक केला खाना बेहतर साबित हुआ है
- केले के उपयोग से त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, यह अलसर जैसी बीमारीयों से भी बचाता है

बच्चों को केली बहुत भाता है जानते हैं क्यो, क्योंकि बच्चों को केले की मीठी सॉफ्टनेस पसंद होती है। आपने देखा होगा कि बच्चे अधिकांश सॉफ्ट चीजें ही लाईक करते हैं। चाहे वो खाने में हो या फिर किसी और चीज में। वैसे भी बच्चे कोमल होते हैं तो उनके लिए जाहिर हा कुदरत ने भी कुछ चीजें कोमल ही बनाई हैं । इसलिए केला बच्चों से लेकर बड़ो तक फायदा ही देता है। केला विटामिन, प्रोटीन व अन्य पोषक तत्वों से भरपूर है। केले में थाइमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। दरसल केले में विटामिन सी विटामिन ए पोटाशियम और विटामिन बी-6 होता है। केला मैग्नोशियम का अच्छा स्त्रोत है, इसलिए यह बहुत जल्दी पच जाता है और आपके मेटाबॉलिज्म को दुरूस्त रखता है।

केले से मिलने वाले अन्य फायदे

ऊर्जा का स्त्रेत : केला ऊर्जा का बहुत अच्छा स्त्रेत माना गया है, इसमें औसतन 105 कैलोरी पाई जाती हैं जो शरीर को किसी भी प्रकार की कमजोरी से बचाती है। अगर आप व्यायाम करने के बाद थक जाते हैं, तो तुरंत एक केला खा लीजिए यह रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ा कर आपको शक्ति देगा।

मांसपेशियों में होने वाली ऐंठन से बचाता है : कभी-कभी आप बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं जिसकी वजह से रात में पैरों में ऐंठन होने लगती हैं, इससे बचने के लिए केला खाएं, इसमें मैग्नीशियम और पोटाशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो आपके पैरों में होने वाली ऐंठन से बचाती है।

ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता है : केले में पोटाशियम की मात्रा अधिक होती है और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है जिसकी वजह से यह आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। यह आपके शरीर में पानी की कभी-कमी नहीं होने देता और आपके शरीर को दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचाता है।

केले से ऐसिडिटी कम होती है : केले में ऐसे बहुत से तत्व पाए जाते हैं जो अम्लता यानि ऐसिडिटी से बचाते हैं। यह आपके पेट में अंदरूनी परत चढ़ा कर अलसर जैसी बीमारीयों से बचाता है।

कब्ज को दूर करता है : केले में फाइबर पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक की बीमारी वाले लोंगो के लिए केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। वे लोग जिन्हें कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें केला खाना चाहिए।

दस्त से बचाता है : डायरिया की वजह से आपके शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे कमजोरी होने लगती है। केले में पोटाशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इस लिए केला खाने से दस्त से बचा जा सकता है।

केले में प्रोबायोटेक तत्व पाएं जाते हैं : केले में एफओऐस के तत्व पाए जाते हैं, जो आंतों में गुणकारक जीवाणु का विकास कर के आपको पेट से जुड़ीं बीमारीयों से बचाता है।

केला खाने से अच्छी नींद आती है : केले में ट्रीप्टोफेन बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है जो सेरोटोनिन में बदल कर आपके मूड़ को अच्छा और एकाग्रता के स्तर को बढ़ाता है। जिससे आपको अच्छी नींद आती है।

अब खाने के साथ आप बाउल भी खा जाएं

नई दिल्ली। फास्टफुड नेटवर्क संचालित करने वाली एक कंपनी ने पर्यावरण हितैषी पैकेजिंग पर जोर देते हुए अपने उत्पादों को खाने योग्य राइस बाउल में परोसने का परीक्षण शुरू किया है।कंपनी ने कहा कि बेंगलुरु स्थिति उसके दो रेस्तरां में इस बाउल का परीक्षण बृहस्पतिवार से शुरू हुआ। यह 04 मई तक चलेगा। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसका विस्तार दुनिया के दूसरे देशों में भी किया जाएगा। इस बाउल में शाकाहार और मांसाहार दोनों परोसे जा रहे हैं। इसकी शुरुआती कीमत 89 रुपए है। कंपनी ने कहा कि खाने योग्य यह राइस बाउल प्लास्टिक बाउल की जगह दिया जा रहा है। यह टॉरटिला से तैयार किए गए हैं। कुरकुरे टॉरटिला से निर्मित यह बाउल खाने योग्य है और पूरी तरह से बायो डिग्रेडेबल भी है। कंपनी अपने स्टोर में ही टॉरटिला आटे से ताजा बाउल तैयार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल शिदे ने कहा कि सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार कंपनी होने के नाते वह किफायती और दीर्घकालिक समाधानों की तलाश कर रही है। कंपनी के देश में 81 शहरों में 300 से स्टोर है। इसी तरह से पूरी दुनिया के 130 देशों में 19 हजार से अधिक स्टोर हैं।

इस बाउल में शाकाहार और मांसाहार दोनों परोसे जा सकते हैं

इस बाउल की शुरुआती कीमत 89 रुपए है

नौकरी से बाहर किया तो विमान के कर दिए टुकड़े

रूस। बात जब नौकरी की हो तो इंसान अपनी नौकरी बचाने के लिए हर संभव प्रयार करता हैं पर जब बात नहीं बनती तो गुस्सा आना लाजमी है। यही हुआ इस कर्मचारी के साथ यहां की एक विमान कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारी को जब नौकरी से निकाल दिया गया तो उसे इतना गुस्सा आया कि उसने डिगर से विमान ही तोड़ डाला। ये व्यक्ति रूसी एयरलाइन ''यूटीएयर' में काम करता था। जैसे ही उसे बताया गया कि कंपनी को उसकी जरूरत नहीं है, वह गुस्से में आ गया और उसने डिगर से विमान की कॉकपिट पर कई बार वार किए जिससे उसमें बड़ा सा छेद हो गया। ये विमान तीन इंजिनों वाला था। ये विमान बेकार हो चुके थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह्रा)

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्यवकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

लॉफिंग ज़ोन

पत्नी शराबी पति के शराब के अवगुण बताते हुए कह रही है, शराब एक धीमा जहर है। जो धीरे-धीरे मौत की ओर ले जाता है।

ठीक है, इधर मरने की किसे जल्दी पडी है। पति इत्मिनान से बोला

□ □ □

नवविवाहित बंतो- अगर मैं कभी मोटी हो जाऊंगी तब भी तुम मुझे ऐसे ही चाहते रहोगे।

बता- हरगिज नही, मैने सिर्फबुरे दिनों में साथ रहने का वचन दिया है। मोटे पतले की कोई बात तय नहीं हुई थी।

□ □ □

पत्नी: 'हमारे पड़ोस में नए डॉक्टर रहने आए हैं, हमें उनसे मेल बढ़ाना चाहिए। क्या पता कब काम आ जाएं?'

पति: 'उनसे काम तो मरने के बाद ही पड़ेगा।'

पत्नी: 'क्यों?'

पति: 'वह तो सिर्फ पोस्टमॉर्टम करते हैं।'

□ □ □

फौजा सिंह- डॉक्टर साहब , मेरी पत्नी का शरीर बुखार से आग हो गया है।

डॉक्टर- तो आप फायर ब्रिगेड की मदद लीजिए, मैं फोन नम्बर बताता हूं।

काकुरो पहेली - 4071

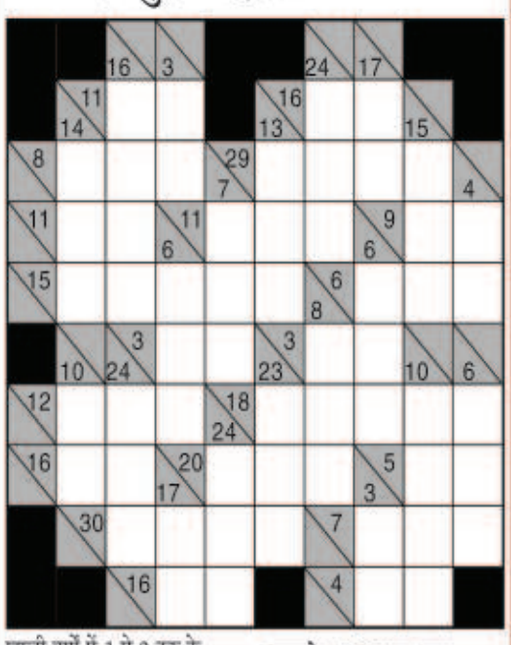

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

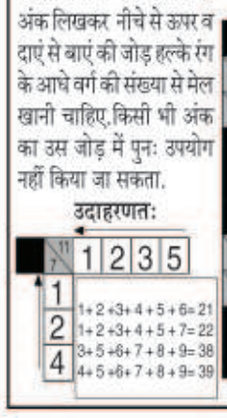

काकुरो - 4070 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4071

बायें से दायें:-

१. 'रह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशीं' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहीं से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, टिंवकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4070

सूडोकु -4071

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4070 हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 4071

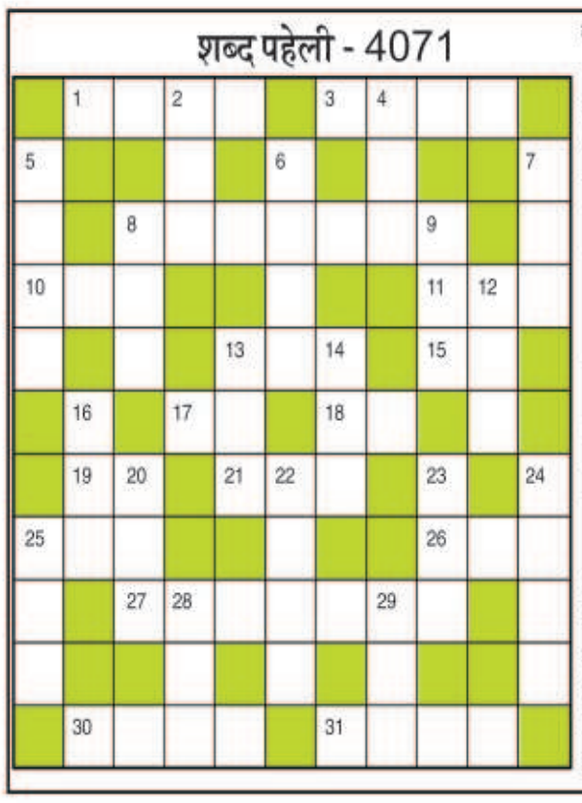

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -4070 का हल

आईपीएल के नियमों में बदलाव चाहते हैं सचिन तेंदुलकर, इम्पैक्ट प्लेयर हटाने और गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर देने की वकालत

मुंबई। (एजें) १ जून : भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा नियमों में बडे.बदलाव की जरूरत बताते हुए इम्पैक्ट प्लेयर नियम को समाप्त करने की वकालत की है। इसके साथ ही उन्होंने बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए हैं। तेंदुलकर का मानना है कि मौजूदा नियमों के कारण टी-२० क्रिकेट में बल्लेबाजों को अत्यधिक लाभ मिल रहा है, जबकि गेंदबाज लगातार दबाव में खेल रहे हैं।ईएसपीएनक्रिकइन्फो अवॉर्ड्स कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते हुए सचिन तेंदुलकर ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें लगता है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। उनके अनुसार टी-२० प्रारूप में पहले से ही बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है और ऐसे में एक अतिरिक्त बल्लेबाज को शामिल करने की अनुमति देने से मुकाबला और अधिक एकतरफा हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब टीम को केवल २० ओवर ही खेलने होते हैं और फिर भी एक अतिरिक्त बल्लेबाज मैदान पर उतर सकता है, तो इससे गेंदबाजों के लिए चुनौती और बढ.जाती है।गौरतलब है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम को आईपीएल में वर्ष २०२३ में लागू किया गया था। इस नियम के तहत किसी भी टीम को मैच के दौरान अपनी अंतिम एकादश के किसी खिलाडी की जगह पांच विकल्प खिलाडियों में से किसी एक को उतारने की अनुमति मिलती है। इस व्यवस्था का उद्देश्य रणनीतिक विकल्पों को बढाना था, लेकिन इसके लागू होने के बाद से इसे लेकर लगातार बहस जारी है।सचिन तेंदुलकर का मानना है कि हाल के वर्षों में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिचों और बडे.स्कोरों के चलते पहले ही गेंदबाजों की भूमिका कठिन हो चुकी है। ऐसे में इम्पैक्ट प्लेयर नियम इस असंतुलन को और बढा देता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट का आकर्षण तभी बना रहता है जब बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को बराबरी का मौका मिले।इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर पहले भी कई बडे.क्रिकेटरों ने चिंता जताई है। भारतीय कप्तान ऱ्हीलारप ऋळश्रश्र और पूर्व कप्तान ठेहळीं ऱ्हरीार भी इस नियम पर सवाल उठा चुके हैं। उनका मानना है कि इससे खेल में ऑलराउंडरों का महत्व कम होता है और रणनीतिक संतुलन प्रभावित होता है।सचिन ने केवल इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाने की बात ही नहीं कही, बल्कि पावरप्ले व्यवस्था में भी बदलाव का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शुरुआती छह ओवर बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद होते हैं क्योंकि केवल दो फील्डर ही ३० गज के घेरे के बाहर रह सकते हैं।

डिब्रूगढ.कुमी सोसाइटी ने १५० होनहार स्टूडेंट्स को सम्मानित किया; ज्योतिप्रसाद कनोई को 'ज्ञानश्री' अवॉर्ड मिला

डिब्रूगढ: (अर्णव शर्णा) १ जून : डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कुमी सोसाइटी ने डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कुमी यूथ-स्टूडेंट्स काउंसिल और डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कुमी विमेंस काउंसिल के साथ मिलकर, होनहार स्टूडेंट्स को उनकी शानदार एकेडमिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित करने के लिए एक बडा सम्मान समारोह आयोजित किया।यह प्रोग्राम डिब्रूगढ.हनुमानबक्स सूरजमल कनोई कॉलेज (ऑटोनॉमस) के श्रीमंत शंकरदेव ऑडिटोरियम में हुआ, जहाँ डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट के लगभग १५० स्टूडेंट्स को अलग-अलग एकेडमिक परीक्षाओं में उनके प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।इस इवेंट की एक खास बात यह थी कि जाने-माने सोशल वर्कर और ज्योति ललिता कनोई फाउंडेशन के ट्रस्टी, ज्योतिप्रसाद कनोई को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके अहम योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ज्ञानश्री' अवॉर्ड दिया गया।प्रोग्राम की अध्यक्षता डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कुमी सोसाइटी के प्रेसिडेंट हरिंग कुमी ने की, जबकि सेक्रेटरी जगत कुमी ने प्रोग्राम को कंडक्ट किया। जाने-माने लिटरेचरर और डिब्रूगढ.हनुमानबक्स सूरजमल कनोई कॉलेज (ऑटोनॉमस) के प्रिंसिपल, डॉ. शशिकांत सैकिया चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। तिनसुकिया इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के प्रिंसिपल, राजू गोपाल, और बारहठ भवानी प्रसाद बरुआ कॉलेज के फैकल्टी मेंबर, बरिंद्र दास गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर मौजूद थे।इवेंट की शुरुआत झंडा फहराने, गुजर चुके लोगों को श्रद्धांजलि देने और दिवंगत कल्चरल आइकॉन को फूल चढाने के साथ हुई। टिमोना गाँव सभा के आर्टिस्ट्स की कल्चरल प्रेजेंटेशन ने इस मौके को और रंगीन बना दिया।

हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (HSLC) और हायर सेकेंडरी एग्जाम में आर्ट्स और साइंस स्ट्रीम में सबसे ज़्यादा मार्क्स लाने के लिए रिदीप कुमी, लीना कुमी और सुकन्या कुमी को स्पेशल पहचान दी गई। स्टूडेंट्स को उनकी हायर एजुकेशन के लिए फाइनेंशियल मदद भी दी गई। अवॉर्ड सेरेमनी के हिस्से के तौर पर, ज्योतिप्रसाद कनोई को पारंपरिक असमिया सम्मान दिए गए, जिसमें एक फूलम गमोसा, जोराई, सेलेंग चादर, जापी, और 'ज्ञानश्री' अवॉर्ड के साथ एक साइटेशन शामिल था।

प्रोग्राम में राजू कुमी, पोना कुमी और अजय कुमी को भी वॉलंटरी ब्लड डोनेशन में उनकी डेडिकेटेड कोशिशों और कम्युनिटी में ब्लड डोनेशन की इंपॉर्टेंस के बारे में अवेयरनेस बढाने के लिए सम्मानित किया गया।

इकट्ठा हुए लोगों को एड्रेस करते हुए, डॉ. शशिकांत सैकिया ने सक्सेस पाने के लिए टाइम मैनेजमेंट और कडी मेहनत की इंपॉर्टेंस पर जोर दिया। उन्होंने स्टूडेंट्स को सीखने और नॉलेज के लिए लाइफलॉन्ग पैशन डेवलप करने के लिए एनकरेज किया।

इस मौके पर, राजू गोपाल ने टेक्निकल और वोकेशनल एजुकेशन में अवेलेबल बढते मौकों पर रोशनी डाली, जबकि बरिंद्र दास ने स्टूडेंट्स से आने वाली चैलेंजेस का सामना डिटरमिनेशन, डिसिप्लिन और लगन के साथ करने को कहा।

प्रोग्राम में कई जाने-माने मेहमान शामिल हुए, जिनमें असम कुमी सोसाइटी के सेंट्रल जनरल सेक्रेटरी प्रबीन कुमी, ड्घड इंग्लिश एकेडमी के मालिक दयानंद साहा, असम टी ट्राइब्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट के प्रेसिडेंट बिमल बाग, असम कुमी यूथ-स्टूडेंट्स काउंसिल के प्रेसिडेंट डिंबेश्वर कुमी, टी कम्युनिटी नेशनल महासभा डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट के प्रेसिडेंट मंतुश कुमी, ड्घड इंग्लिश एकेडमी के डायरेक्टर मून साहा और असम कुमी विमेंस काउंसिल की वाइस-प्रेसिडेंट बेलीमाई कुमी शामिल थे।

इवेंट का समापन डिब्रूगढ.डिस्ट्रिक्ट कुमी सोसाइटी के सेक्रेटरी जगत कुमी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गवर्नमेंट आदर्श कॉलेज, बडख़ोला में नए शैक्षणिक सत्र का भव्य शुभारंभ

बडख़ोला, १ जून २०२६: गवर्नमेंट आदर्श कॉलेज, बडख़ोला में उच्च माध्यमिक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर एक गरिमामय अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सहाबुद्दीन अहमद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य डॉ. अहमद ने विद्यार्थियों से मानवीय मूल्यों, नैतिकता एवं अनुशासन को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महान व्यक्तित्वों के जीवन संघर्ष, उपलब्धियों एवं आदर्शों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान देने की सलाह दी।कार्यक्रम में शिक्षा समन्वयक डॉ. बहारुल आलम लस्कर ने विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छएझ)-२०२० के अंतर्गत संचालित शिक्षण-पद्धति, पाठ्यक्रम संरचना तथा परीक्षा प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. मोफिदुर रहमान ने कॉलेज की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न विषयों एवं विभागों की शैक्षणिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं, महाविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. राजेश चुटिया ने पुस्तकालय की सुविधाओं, पुस्तकों के प्रभावी उपयोग तथा अध्ययन संस्कृति के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कॉलेज जीवन को सार्थक बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम का समापन बंगाली विभागाध्यक्ष डॉ. मौसना नाथ द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जबकि अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।नए विद्यार्थियों के स्वागत एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षण समुदाय तथा अभिभावकों के बीच सराहना का विषय बना। उपस्थित विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताया।

सीबीएसई ने मानी ऑनमार्क पोर्टल में सुरक्षा खामियां, छात्रों के डेटा और गोपनीयता को लेकर बढी चिंता

नई दिल्ली. (एजें) १ जून : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसके ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से जुडे.ऑनमार्क पोर्टल में सुरक्षा संबंधी कुछ कमजोरियां पाई गई थीं. हालांकि बोर्ड ने दावा किया है कि इन खामियों को नियंत्रित कर लिया गया है और पोर्टल को पहले से अधिक सुरक्षित बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए जा रहे हैं. सीबीएसई की इस स्वीकारोक्ति के बाद डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली और छात्रों के डेटा की सुरक्षा को लेकर चल रही बहस एक बार फिर तेज हो गई है.सीबीएसई द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सार्वजनिक मंचों और विभिन्न माध्यमों से सामने आई सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर बोर्ड लगातार नजर बनाए हुए था. इन चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के विशेषज्ञों की मदद ली गई. पिछले कई दिनों से विशेषज्ञों की टीम पोर्टल की सुरक्षा को मजबूत करने और उसे अधिक सुरक्षित डिजिटल वातावरण में स्थानांतरित करने की दिशा में काम कर रही है.

बोर्ड के अनुसार, जिन सुरक्षा कमजोरियों की पहचान की गई थी, उन्हें दूर कर दिया गया है. इसके साथ ही तकनीकी विशेषज्ञ लगातार पूरे सिस्टम की समीक्षा कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में किसी प्रकार की नई या शेष कमजोरियों का दुरुपयोग न किया जा सके. सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि परीक्षा और मूल्यांकन संबंधी डेटा की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है.यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर पिछले कई सप्ताह से विवाद और सवाल उठ रहे थे. साइबर सुरक्षा शोधकर्ता निसर्ग अधिकारी ने दावा किया था कि क्लास १२ की उत्तर पुस्तिकाओं और प्रश्नपत्रों से संबंधित कुछ डिजिटल दस्तावेज कमजोर क्लाउड कॉन्फिगरेशन के कारण ऑनलाइन उपलब्ध हो सकते थे. इन दावों के बाद छात्रों की गोपनीयता और सीबीएसई की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खडे.हुए थे.

ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्लेटफॉर्म को इस वर्ष लागू किए जाने के बाद से ही छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की ओर से कई शिकायतें सामने आई थीं. उत्तर पुस्तिकाओं के मिश्रण, पोर्टल में तकनीकी गडबडियों, रिकॉर्ड तक पहुंच में कठिनाई, स्कैन की गई प्रतियों के धुंधले होने और मूल्यांकन की सटीकता को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे. इन शिकायतों ने डिजिटल परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर चिंता बढा दी थी.

इससे पहले सीबीएसई यह कहता रहा था कि मुख्य मूल्यांकन पोर्टल किसी साइबर हमले या डेटा लीक का शिकार नहीं हुआ है और जिन मामलों की चर्चा हो रही है, वे केवल एक परीक्षण मंच से जुडे.थे, जहां नमूना डेटा रखा गया था. लेकिन अब बोर्ड ने यह स्वीकार किया है कि सेवा प्रदाता के ऑनमार्क पोर्टल में कुछ सुरक्षा कमजोरियां वास्तव में मौजूद थीं, जिनके समाधान के लिए तत्काल हस्तक्षेप करना पडा.

सीबीएसई ने उन एथिकल हैकर्स और जागरूक नागरिकों का भी आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने संभावित सुरक्षा खामियों की जानकारी समय रहते उपलब्ध कराई. बोर्ड ने बताया कि कुछ लोगों से सीधे संपर्क कर अतिरिक्त तकनीकी सुझाव भी प्राप्त किए गए हैं. साथ ही बोर्ड ने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी कमजोरी या सुरक्षा जोखिम का पता चलता है तो वह इसकी सूचना आधिकारिक माध्यमों से सीधे सीबीएसई की सुरक्षा टीम को दे.विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला केवल एक पोर्टल की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की डिजिटल परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता से भी जुडा हुआ है. ऐसे में सीबीएसई के लिए यह चुनौती होगी कि वह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों का भरोसा कायम रखते हुए अपनी डिजिटल संरचना को और अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाए. फिलहाल बोर्ड का कहना है कि सुरक्षा मजबूत करने की प्रक्रिया जारी है और परीक्षा संबंधी डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं.

खराब मौसम के चलते रोकी गई केदारनाथ यात्रा, भारी बारिश और तूफान के अलर्ट के बाद प्रशासन सतर्क

रुद्रप्रयाग. (एजें) १ जून :उत्तराखंड में लगातार बिगडते मौसम के बीच रविवार को केदारनाथ धाम यात्रा को एहतियातन अस्थायी रूप से रोक दिया गया. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा क्षेत्र में भारी बारिश, तेज हवाओं और आंधी-तूफान की संभावना को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने यह फैसला लिया. अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा मार्ग पर आगे बढ. रहे श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों और होल्डिंग सेंटरों में रोकने के निर्देश दिए गए हैं.प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब ९:४५ बजे केदारनाथ धाम यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया. मौसम की खराब स्थिति और संभावित प्राकृतिक जोखिमों को देखते हुए यात्रा मार्ग पर मौजूद तीर्थयात्रियों को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई. जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग में जहां भी श्रद्धालु मौजूद हों, उन्हें निकटतम सुरक्षित होल्डिंग सेंटरों में ठहराया जाए और उनके भोजन, पानी तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.मौसम विभाग ने उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले कुछ घंटों के दौरान भारी वर्षा, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है. इसी चेतावनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने कोई जोखिम न लेने का निर्णय लिया. अधिकारियों का कहना है कि पहाडी क्षेत्रों में मौसम अचानक बदल सकता है और भारी बारिश के कारण भूस्खलन, रास्तों के अवरुद्ध होने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ.जाता है. ऐसे में यात्रा को अस्थायी रूप से रोकना आवश्यक था.केदारनाथ धाम देश के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है और हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं. चारधाम यात्रा के दौरान मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाती है ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन विभाग और अन्य एजेंसियां लगातार समन्वय बनाकर हालात की निगरानी कर रही हैं.

अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार होने और मार्ग पूरी तरह सुरक्षित पाए जाने के बाद ही यात्रा को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा. फिलहाल यात्रियों से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और अफवाहों पर ध्यान न दें. साथ ही यात्रा पर निकलने से पहले मौसम संबंधी ताजा जानकारी अवश्य प्राप्त करें.प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि केदारनाथ यात्रा को स्थायी रूप से बंद नहीं किया गया है, बल्कि यह कदम केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया है. मौसम की स्थिति सामान्य होते ही श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी. इस बीच सुरक्षा एजेंसियां और स्थानीय प्रशासन लगातार मौसम की निगरानी कर रहे हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके.

गुवाहाटी में बडी डकैती की साजिश नाकाम, तीन कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

गुवाहाटी, १ जून (हि.स.)। गुवाहाटी में बडी डकैती की योजना बना रहे एक कुख्यात गिरोह का भंडाफोड.करते हुए पुलिस ने तीन दुर्दांत बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि यह कार्रवाई बोरागांव के बेलवाली क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर की गई।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बंधुरा बसुमतारी, जनक बसुमतारी और मानो बसुमतारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों किसी बडी आपराधिक वारदात को अंजाम

देने की तैयारी में थे। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में उन्हें धर दबोचा गया।अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक ०.३२ बोर की पिस्तौल, दो मैगजीन, १४ जिंदा कारतूस, एक डेगार तथा एक खुखरी बरामद की है। बरामद हथियारों और गोला-बारूद को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह के अन्य सदस्य किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल थे या नहीं।

यासी ने मुफ्त मोतियाबिंद एवं नैत्र जांच शिविर लगाया

प्रे.सं.शिलचर, १ जून : आज, 'यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स (YASS)' और 'प्रभाती देवी चैरिटेबल ट्रस्ट' ने दुर्गाकोना बागान नाचघर (असम यूनिवर्सिटी के पास) में एक फ्री मोतियाबिंद का पता लगाने और आंखों की जांच का कैंप लगाया। चौधरी आई हॉस्पिटल, सिलचर के डॉक्टर, डॉ. आशुतोष उपाध्याय और डॉ. अंश जिंदल ने कुल ११० मरीजों की जांच की। इनमें से २५ मरीजों को मोतियाबिंद की गंभीर समस्या का पता चला और अगले एक हफ्ते में चौधरी आई हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी पूरी तरह से फ्री होगी। कैंप के दौरान, धअडड के सदस्यों ने मरीजों की काउंसलिंग की और ट्रस्ट ने जरूरी फ्री दवाएं भी बांटीं।धअडड की ओर से इंद्रजीत दास और वाइस प्रेसिडेंट बंदिता त्रिवेदी रॉय कैंप के इंचार्ज थे। उनकी लीडरशिप में और दूसरे मेंबर्स अपू रविदास, संग्राम सिंह, अंगशुमान पाठक, बिश्वजीत मल, बद्री भर, अमित अकुरा, विक्रम बागती, धनिक लाल भर, शांति रज्जाक, अनूप भर, बीके सुबीर दत्ता मजूमदार, राम कुमार पाशी, वगैरह की मदद से कैंप कामयाबी से पूरा हुआ। धअड सेंट्रल कमेटी के प्रेसिडेंट संजीव रॉय ने कहा कि जिले के दूर-दराज के इलाकों में, समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद लोगों को हेल्थकेयर देने में इस तरह की कोशिशें अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में, दोनों ऑर्गनाइजेशन की मिली-जुली कोशिशों के हत ऐसे और भी कई कैंप लगाए जाएंगे। पूरे कैंप की देखरेख ट्रस्ट मैनेजर देबज्योति दास ने की।

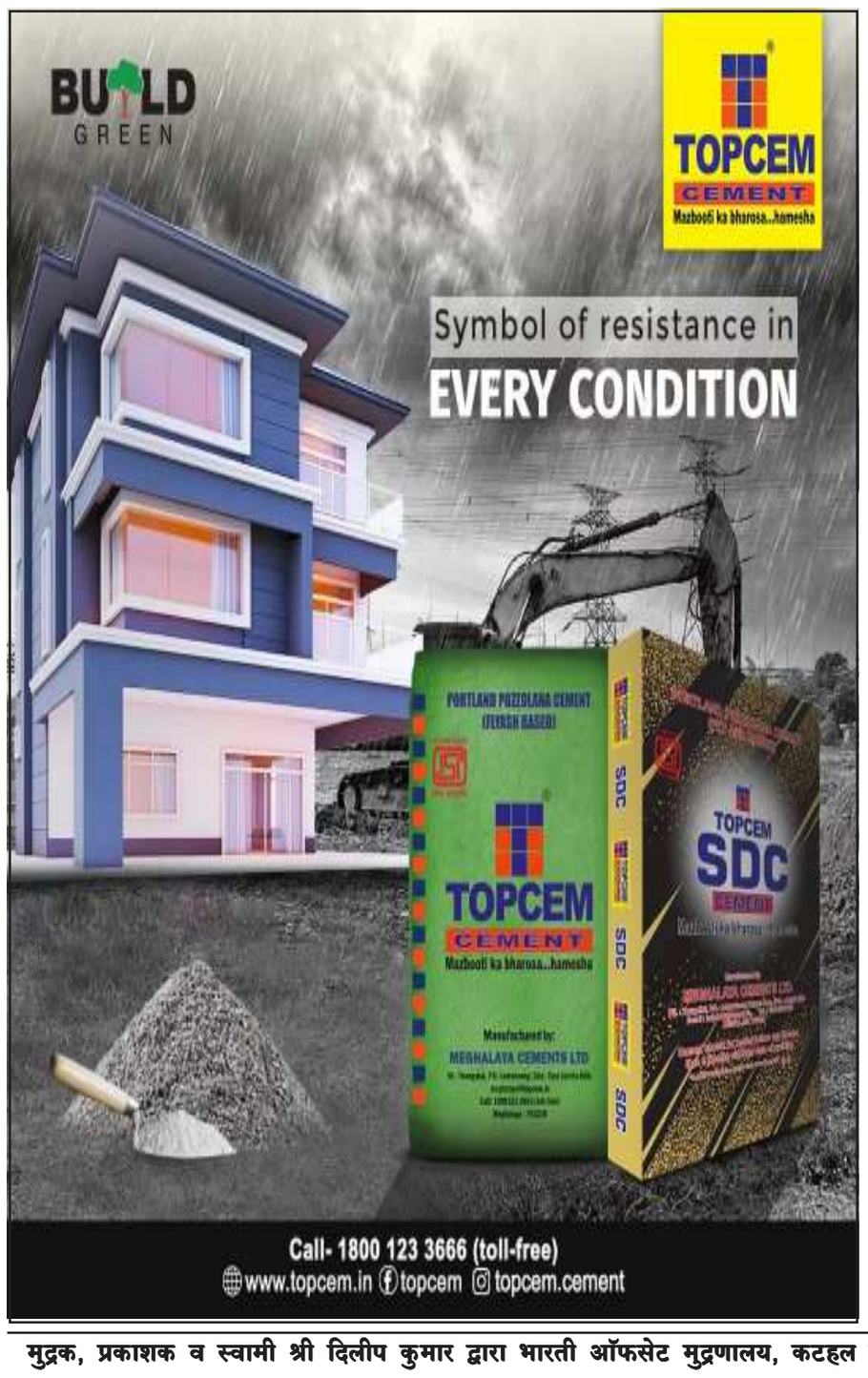

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512